THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Term Islamic is used

इस्लामी शब्द का प्रयोग

For the overall society and culture historically associated with Islam

समूचे समाज और संस्कृति के लिए भी किया गया है, जो एतिहासिक दृष्टि से इस्लाम से संबध रही है।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Muslims and their faith were recognised as socially dominant

मुसलमानों को और उनके धर्म को सामाजिक रूप से प्रमुखता प्राप्त थी।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

During 612-32, the Prophet Muhammad preached the worship of a single God, Allah, and the membership of a single community of believers (umma)

समूचे समाज और संस्कृति सन् 612–632 में पैगम्बर मुहम्मद ने एक ईश्वर, अल्लाह की पूजा करने का और आस्तिकों (उम्मा) के एक ही समाज की सदस्यता का प्रचार किया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

This was the origin of Islam

यह इस्लाम का मूल था।

Muhammad was an Arab by language and culture and a merchant by profession

पैगम्बर मुहम्मद सौदागर थे और भाषा तथा संस्कृति की दृष्टि से अरबी थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Arabs were divided into tribes* (qabila)

अरब लोग कबीलो में बँटे हुए थे।

led by a chief

कबीले का नेतृत्व

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Each tribe had its own god or goddess

प्रत्येक कबीले के अपने स्वयं के देवी–देवता होते थे

Worshipped as an idol

बुतों के रूप में देवालयों में पूजे जाते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Arab tribes were nomadic

अरबी कबीले खानाबदोश होते थे

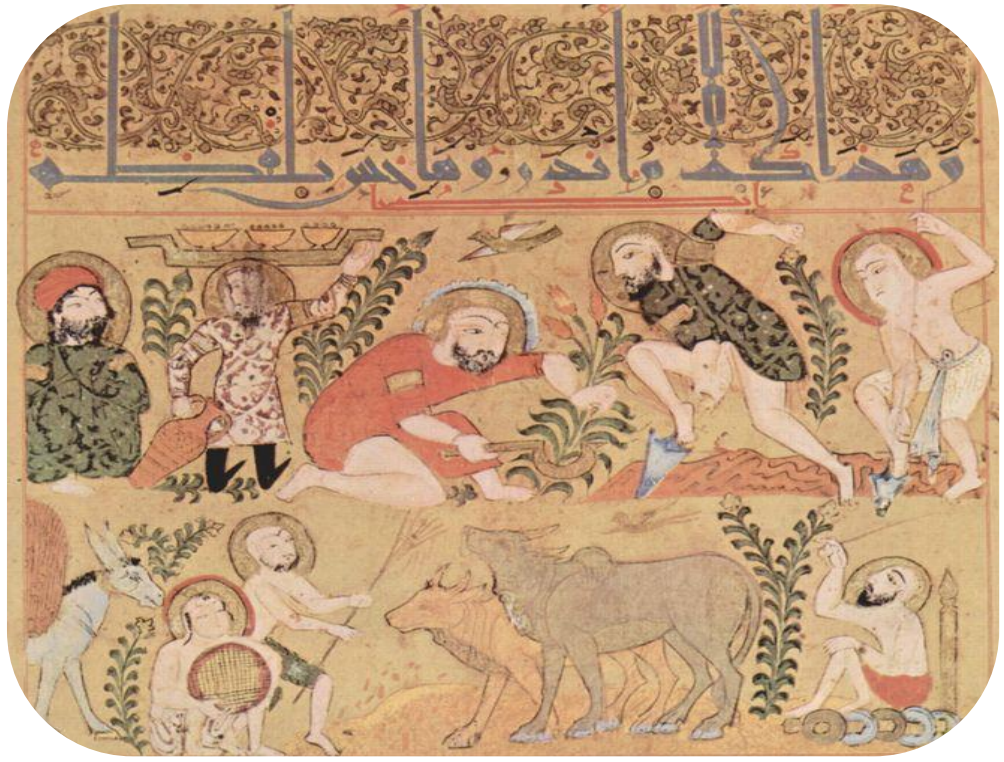

Moving from dry to green areas

सूखे क्षेत्रों से हरे–भरे क्षेत्रों की ओर जाते रहते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Muhammad's own tribe, Quraysh, lived in Mecca

पैगम्बर मुहम्मद का अपना कबीला, कुरैश, मक्का में रहता था

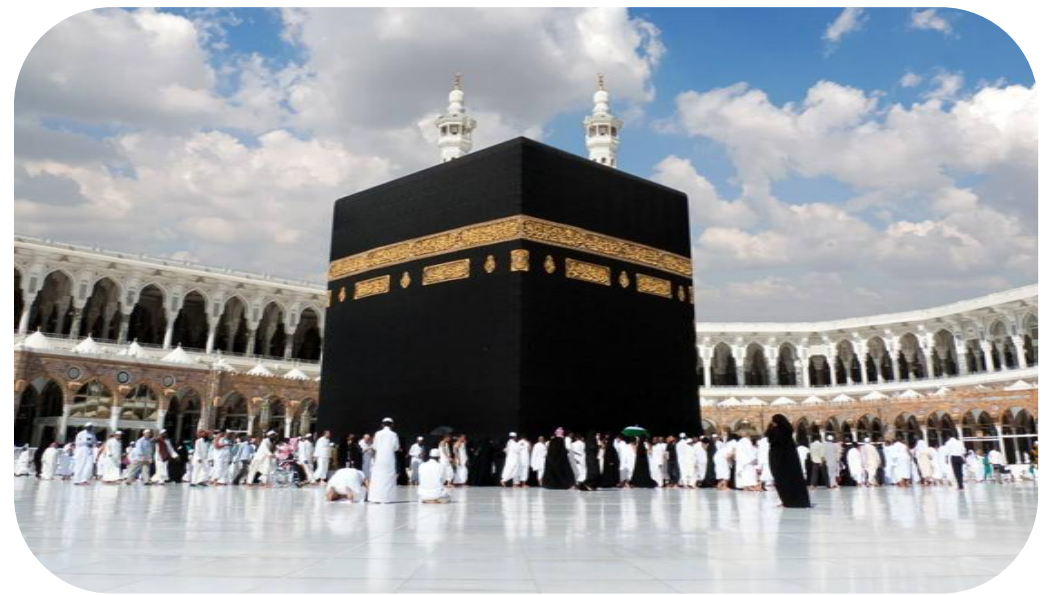

Cube-like structure called Kaba

ढाँचा घनाकार था और उसे 'काबा' कहा जाता था,

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

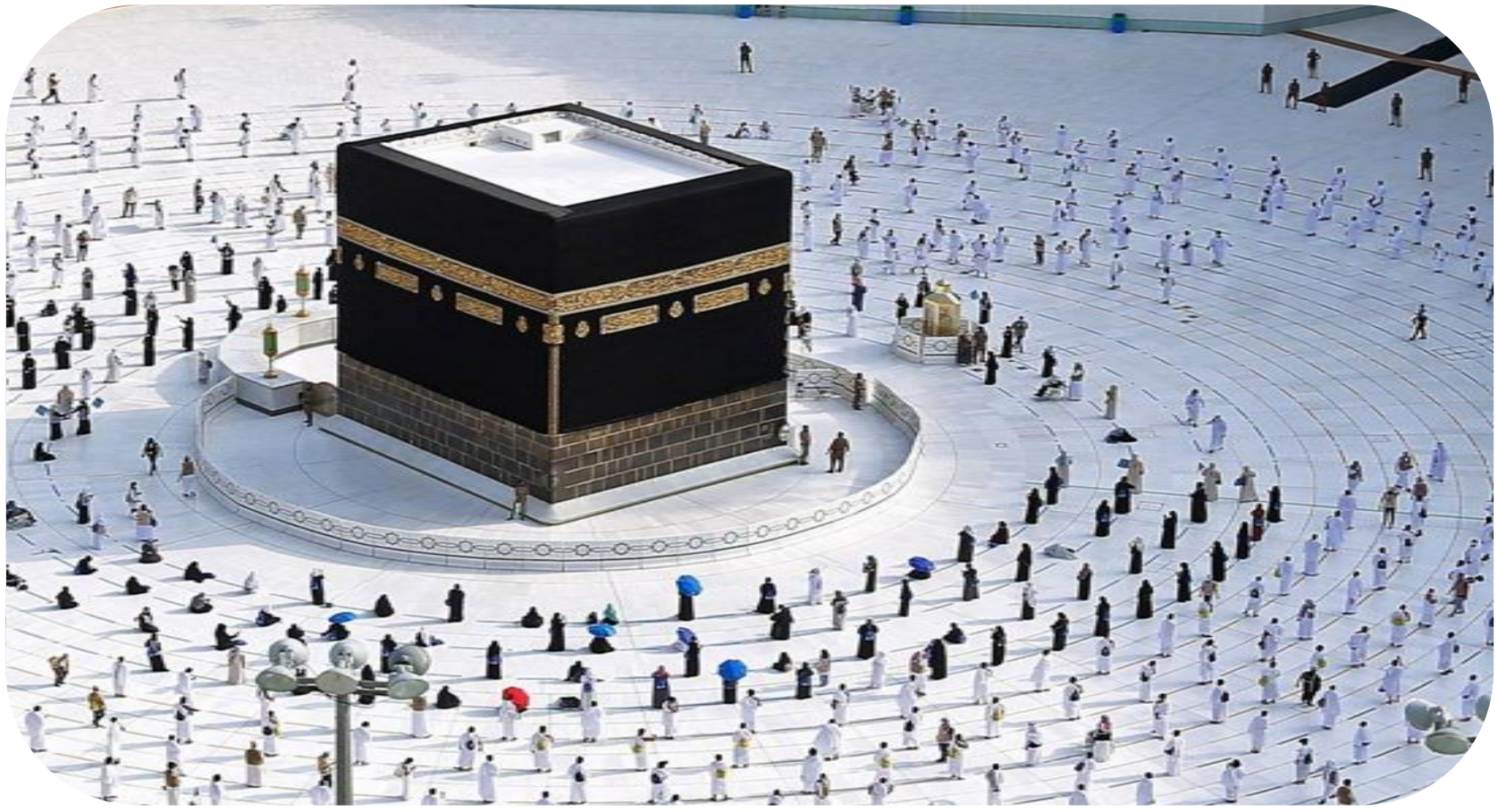

Making annual pilgrimages (hajj) to the shrine

हर वर्ष इस इबादतगाह की धार्मिक यात्रा (हज) करते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Meccan shrine was a sanctuary (haram) where violence was forbidden and protection given to all visitors. Pilgrimage and commerce gave the nomadic and settled tribes opportunities to communicate with one another and share their beliefs and customs

काबा को एक एसी पवित्र जगह (हरम) माना जाता था, जहां हिंसा वर्जित थी और सभी दर्शनार्थियों को सुरक्षा प्रदान की जाती थी। तीर्थ–यात्रा और व्यापार ने खानाबदोश और बसे हुए कबीलों को एक दूसरे के साथ बातचीत करने और अपने विश्वासों और रीति–रिवाजों को आपस में बाँटने का मौका दिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Attachment to idols and shrines was more immediate and stronger

मूर्तियों और इबादतगाहों के साथ उनका लगाव सीधा और मज़बूत था।

Muhammad declared himself to be the messenger (rasul) of God

पैगम्बर मुहम्मद ने अपने आपको खुदा का संदेशवाहक (रसूल) घोषित किया

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Worship involved simple rituals

इबादत की विधियाँ बड़ी सरल थीं

Daily prayers (salat)

दैनिक प्रार्थना (सलात)

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Those who accepted the doctrine were called Muslims

जो इस धर्म–सिधांत को स्वीकार कर लेते थे, उन्हें मुसलमान (मुस्लिम) कहा जाता था,

Promised salvation on the Day of Judgement

क़यामत के दिन मुक्ति देने का आश्वासन दिया जाता था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

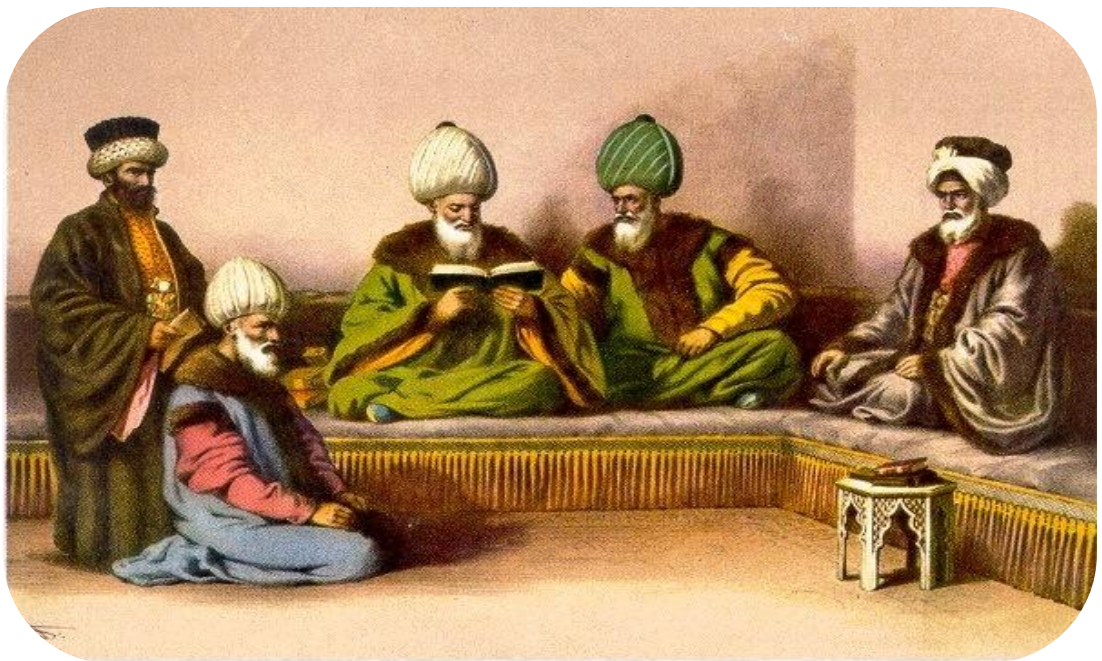

Moral principles
नैतिक सिधांत

Muhammad was to found a community of believers (umma) bound by a common set of religious beliefs

पैगम्बर मुहम्मद ने बताया कि उन्हें आस्तिकों (उम्मा) के एसे समाज की स्थापना करनी है, जो सामान्य धार्मिक विश्वासों के ज़रिय आपस में जुड़े हुए हों।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

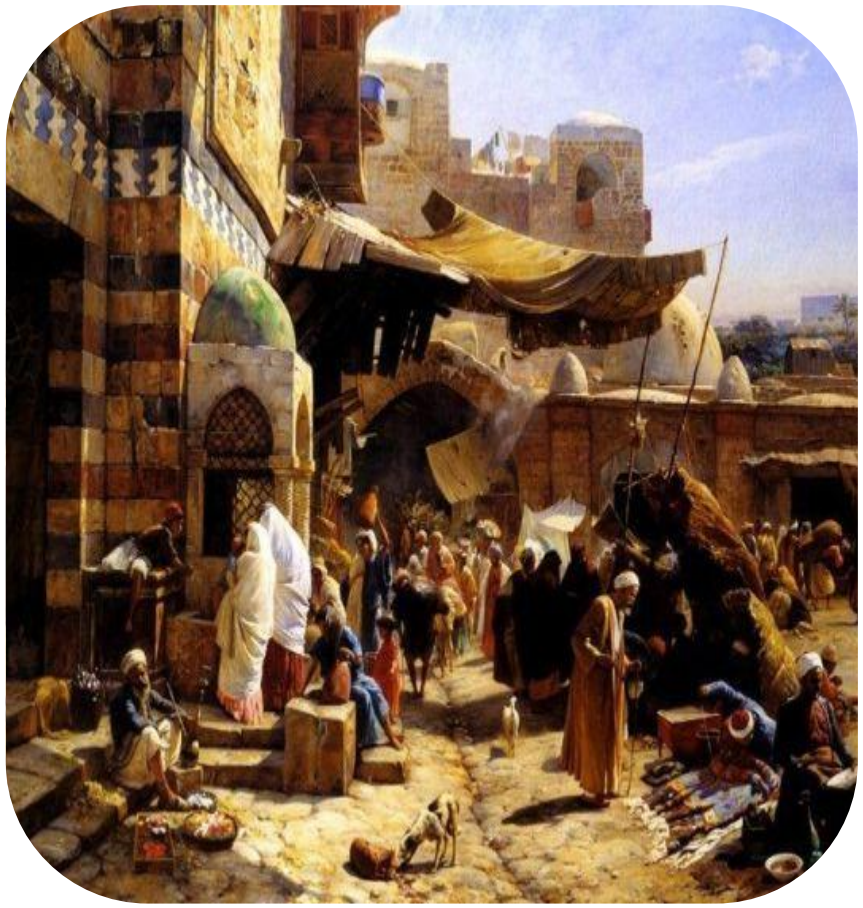

Muhammad's message particularly appealed to those Meccans who felt deprived of the gains from trade and religion and were looking for a new community identity

पैगम्बर मुहम्मद के संदेश ने मक्का के उन लोगों को विशेष रूप से प्रभावित किया, जो अपने आपको व्यापार और धर्म के लाभों से वंचित महसूस करते थे और एक नयो सामुदायिक पहचान की बाट देखते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

And a share of the resources of the community while on earth

और धरती पर रहते हुए समाज के संसाधनों में हिस्सा देने का आश्वासन दिया जाता था।

Muslims soon faced considerable opposition from affluent Meccans

मुसलमानों को शीघ्र ही मक्का के समृध लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

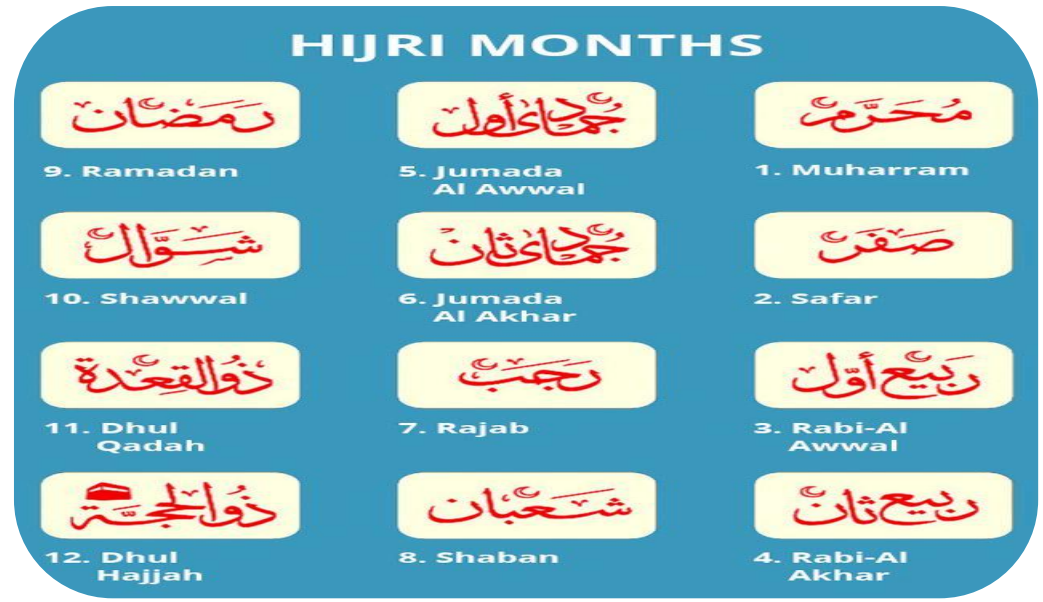

In 622, Muhammad was forced to migrate with his followers to Medina

सन् 622 में, पैगम्बर मुहम्मद को अपने अनुयायियों के साथ मदीना कूचकर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

His arrival in Medina marking the beginning of the Muslim calendar

उनका आगमन मदीना में हुआ उस वर्ष से मुस्लिम कैलेंडर यानी हिजरी सन् की शुरुआत हुई।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Consolidation and protection require political institutions

सुदृढ़ीकरण और सुरक्षा के लिए राजनैतिक संस्थाओं की आवश्यकता होती है

In Medina, Muhammad created a political order

पैगम्बर मुहम्मद ने मदीना में एक राजनैतिक व्यवस्था की स्थापना की

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

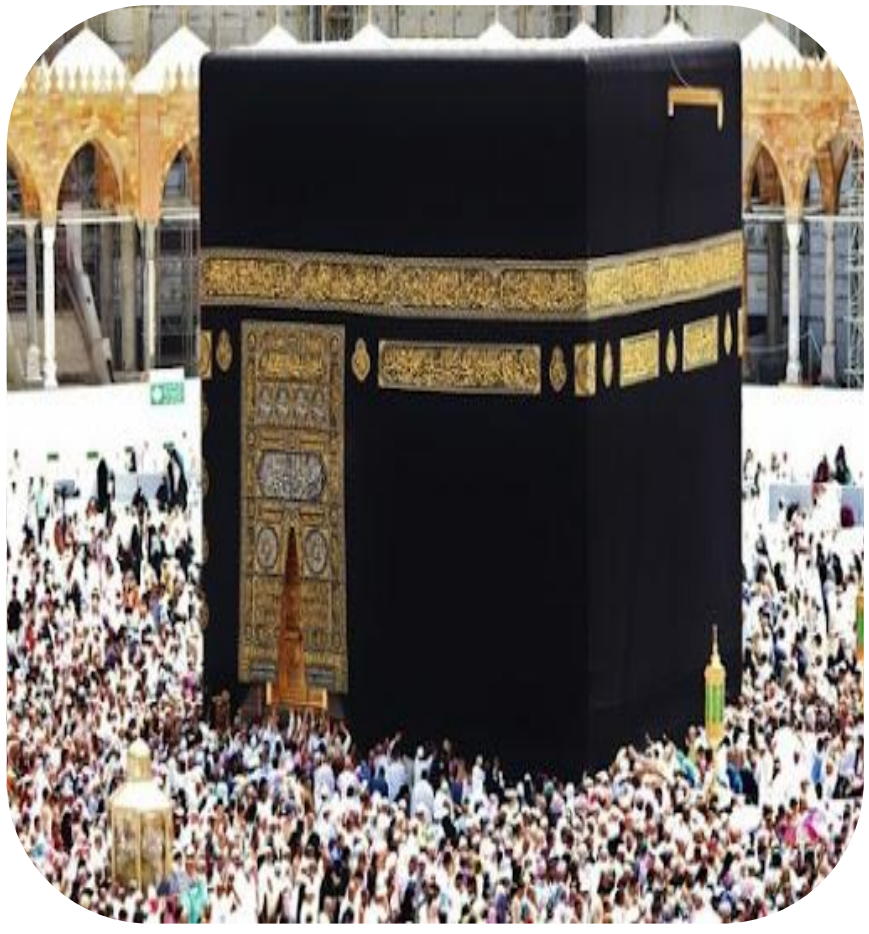

Umma was converted into a wider community to include polytheists and the Jews of Medina under the political leadership of Muhammad

उम्मा को एक बड़े समुदाय के रूप में बदला गया, ताकि मदीना के बहुदेववादियों और यहूदियों को पैगम्बर मुहम्मद के राजनैतिक नेतृत्व के अंतर्गत लाया जा सके।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Community survived on agriculture and trade, as well as an alms tax (zakat)

मुस्लिम समुदाय कृषि और व्यापार से प्राप्त होने वाले राजस्व और इसके अलावा खैरात-कर (ज़कात) से जीवित रहा।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Muslims organised expeditionary raids on Meccan caravans

मुसलमान मक्का के काफिलों पर छापे मारते थे।

After a series of battles, Mecca was conquered and Muhammad's reputation as a religious preacher and political leader spread far and wide

मक्का को जीत लिया गया और एक धार्मिक प्रचारक और राजनैतिक नेता के रूप में पैगम्बर मुहम्मद की प्रतिष्ठा दूर-दूर तक फैल गई।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Impressed by Muhammad's achievements, many tribes, mostly Bedouins, joined the community by converting to Islam

पैगम्बर मुहम्मद की उपलब्धियों से प्रभावित होकर, बहुत से कबीलों, अधिकांशत: बद्दुओं, ने अपना धर्म बदलकर इस्लाम को अपना लिया और उस समाज में शामिल हो गए।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

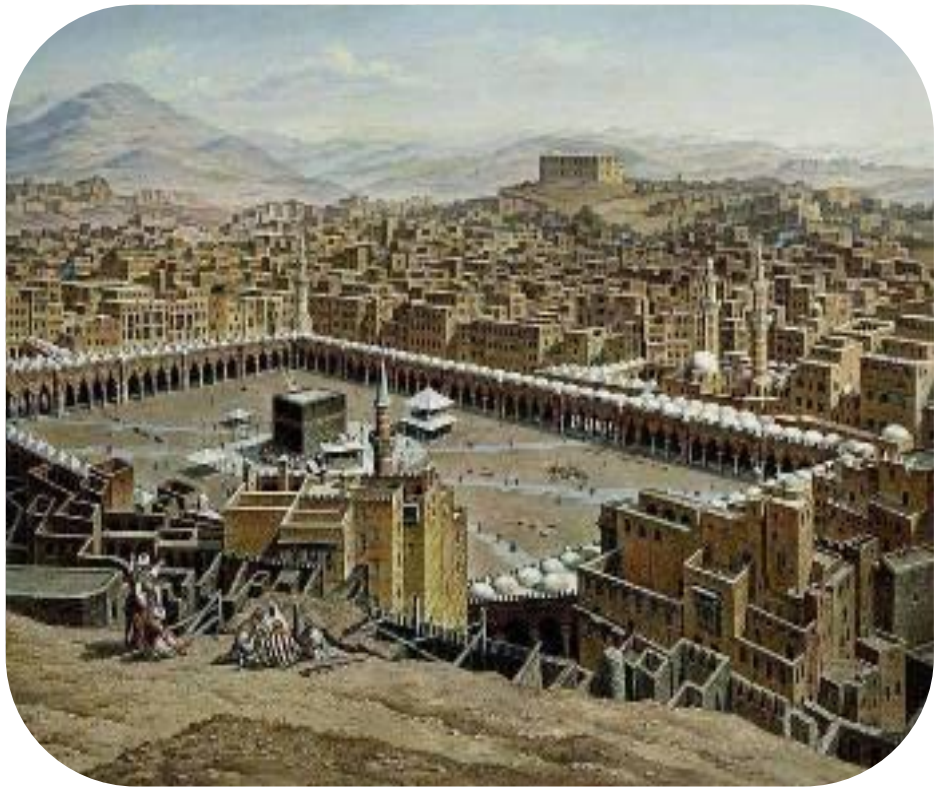

Medina became the administrative capital of the emerging Islamic state with Mecca as its religious centre

मदीना उभरते हुए इस्लामी राज्य

की प्रशासनिक राजधानी और मक्का उसका धार्मिक केंद्र बन गया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

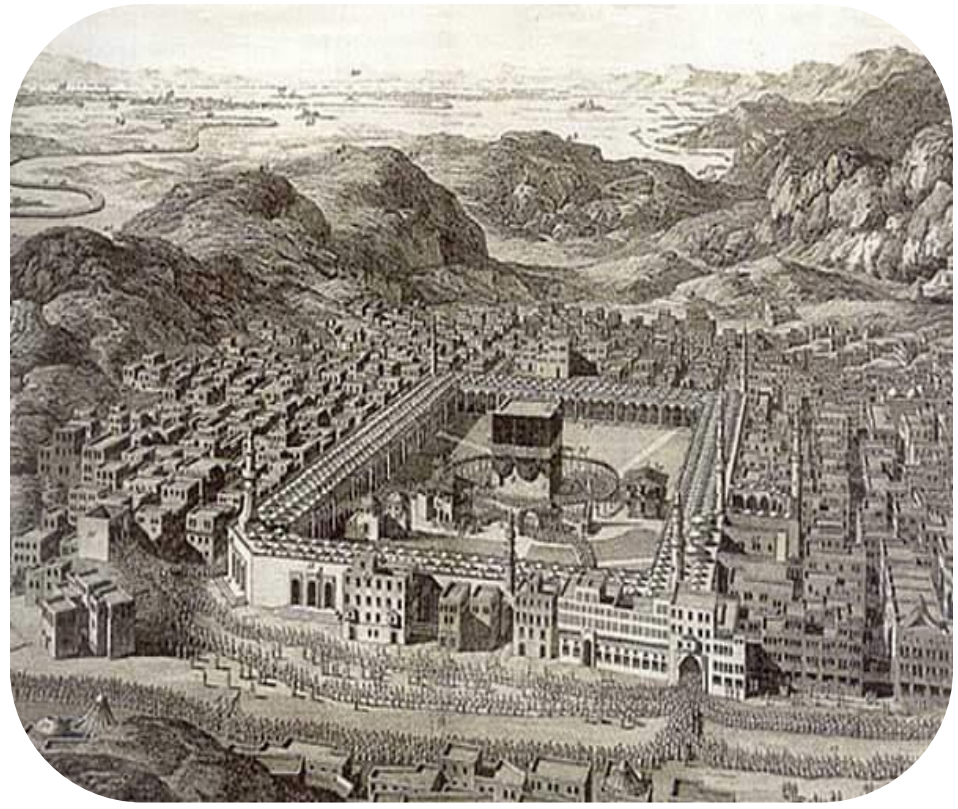

Muhammad was able to unite a large part of Arabia under a new faith, community and state

पैगम्बर मुहम्मद को थोड़े ही समय में अरब प्रदेश के काफी बड़े भाग को एक नए धर्म, समुदाय और राज्य के अंतर्गत लाने में सफलता मिल गई।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Muhammad's death in 632

सन् 632 में पैगम्बर मुहम्मद का देहांत

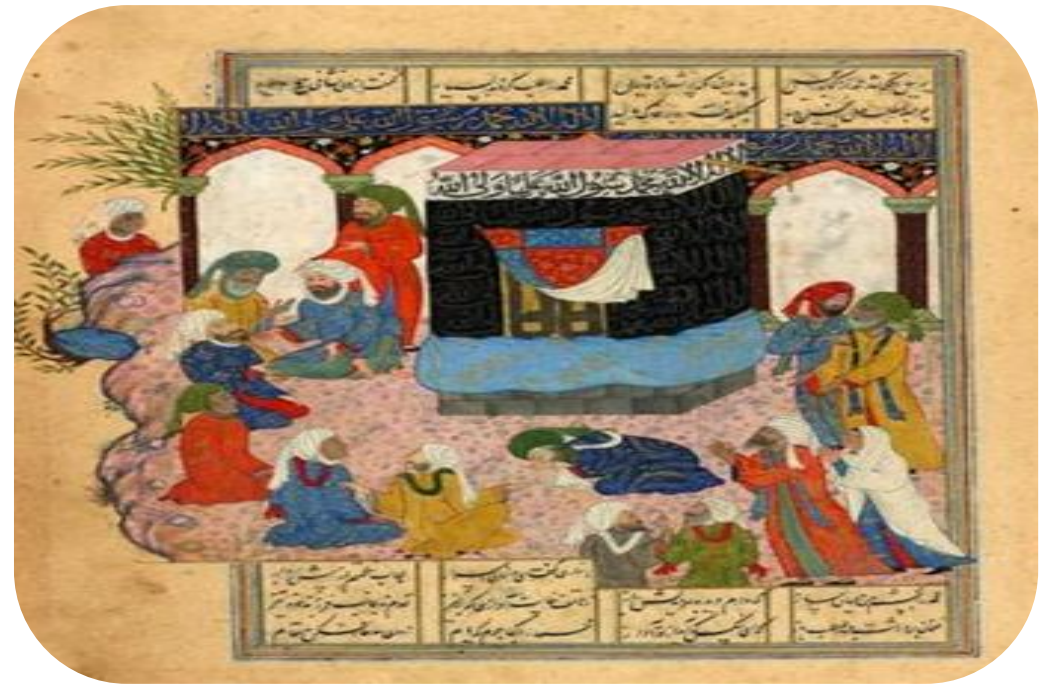

No one could legitimately claim to be the next prophet of Islam

कोई भी व्यक्ति वैध रूप से इस्लाम का अगला पैगम्बर होने का दावा नहीं कर सकता था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

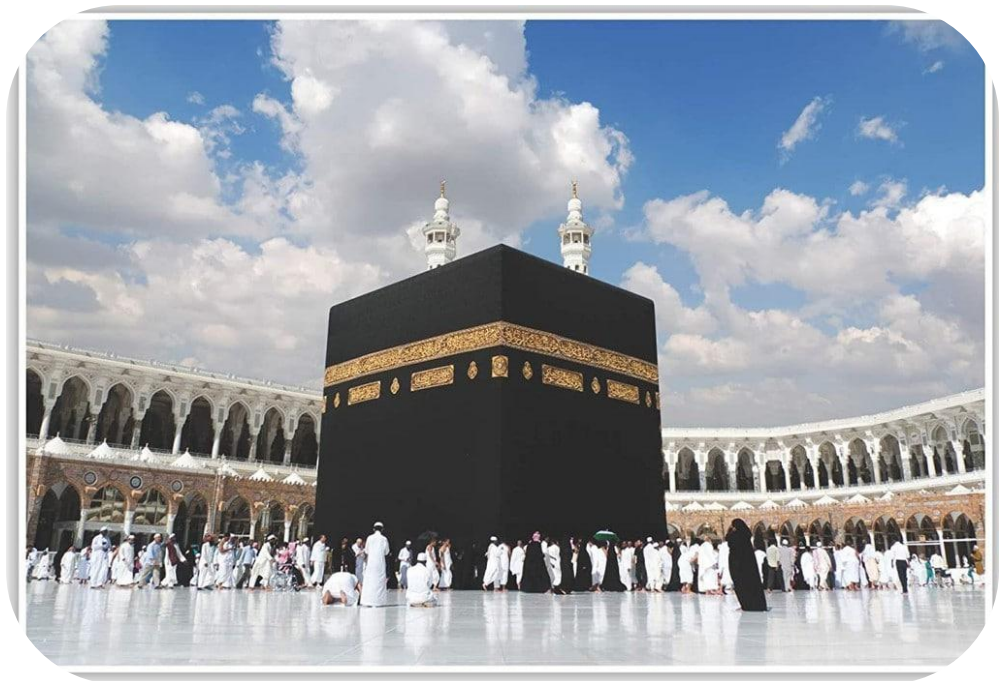

His political authority was transferred to the umma

उनकी राजनैतिक सत्ता, उम्मा को अंतरित कर दी गई।

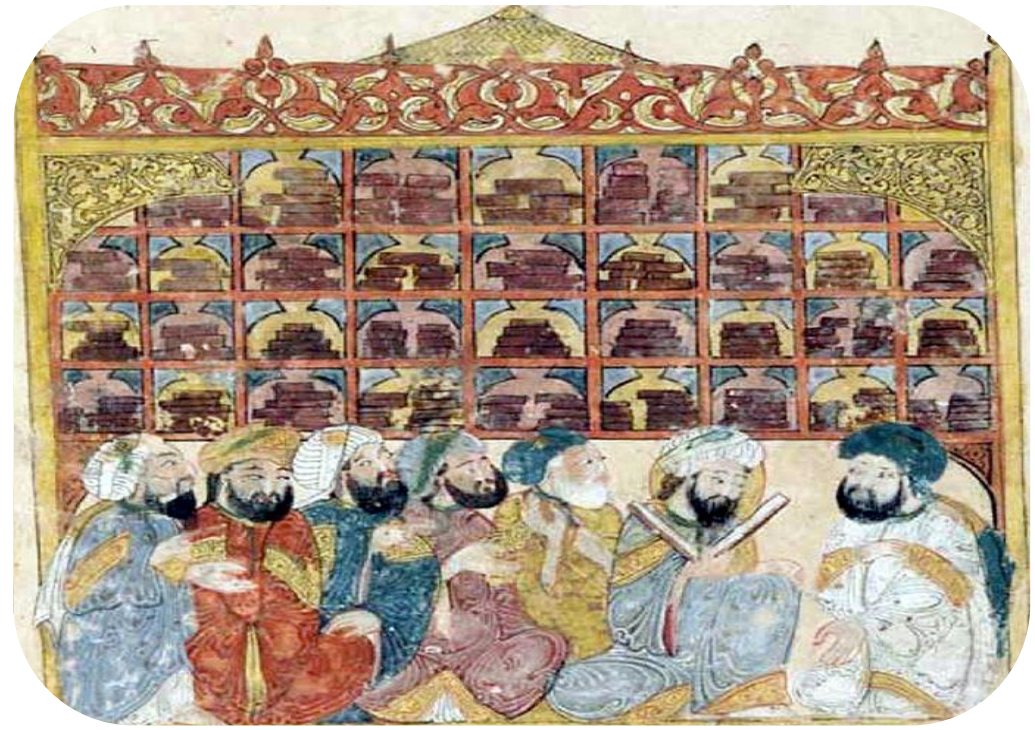

No established principle of succession

उत्तराधिकार के किसी सुस्थापित सिधांत का अभाव

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Created opportunities for innovations

नवाचारों के लिए अवसर उत्पन्न हुए,

Divisions among the Muslims

मुसलमानों में गहरे मतभेद भी पैदा हो गए।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Biggest innovation was the creation of the institution of caliphate

सबसे बड़ा नव–परिवर्तन यह हुआ कि खिलाफ़त की संस्था का निर्माण हुआ,

Leader of the community (amir al-muminin) became the deputy (khalifa) of the Prophet

समुदाय का नेता (अमीर अल–मोमिनिन) पैगम्बर का प्रतिनिधि (खलीफ़ा) बन गया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Muhammad's death

पैगम्बर मुहम्मद का देहावसान

Tribes

कबीले

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

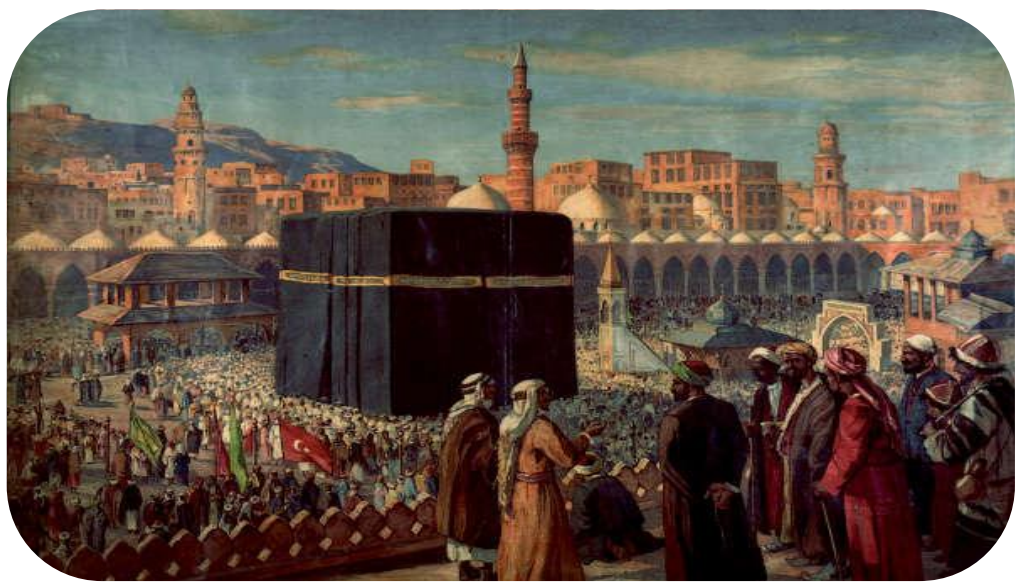

Raised their own prophets to establish communities modelled on the umma

कबीलों ने तो उम्मा के नमूने पर स्वयं अपने समाजों की स्थापना करने के लिए अपने स्वयं के पैगम्बर बना लिए।

First caliph, Abu Bakr, suppressed the revolts by a series of campaigns

पहले खलीफ़ा अबू बकर ने अनेक अभियानों द्वारा विद्रोहों का दमन किया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Second caliph, Umar, shaped the umma's policy of expansion of power

दूसरे खलीफा उमर ने उम्मा की सत्ता के विस्तार की नीति को रूप प्रदान किया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

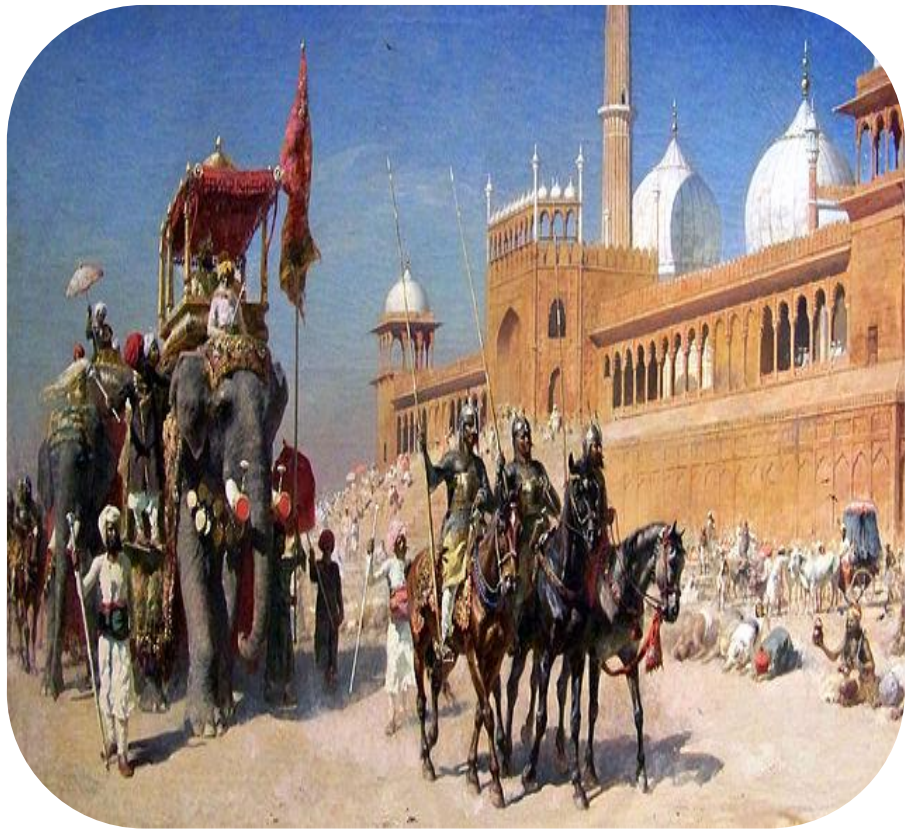

Realising that rich booty (ghanima) could be obtained from expeditionary raids

यह महसूस करते हुए कि अभियानों के रूप में मारे जाने वाले छापों से लूट की भारी धनराशि (ग़नीमा) प्राप्त की जा सकती है,

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

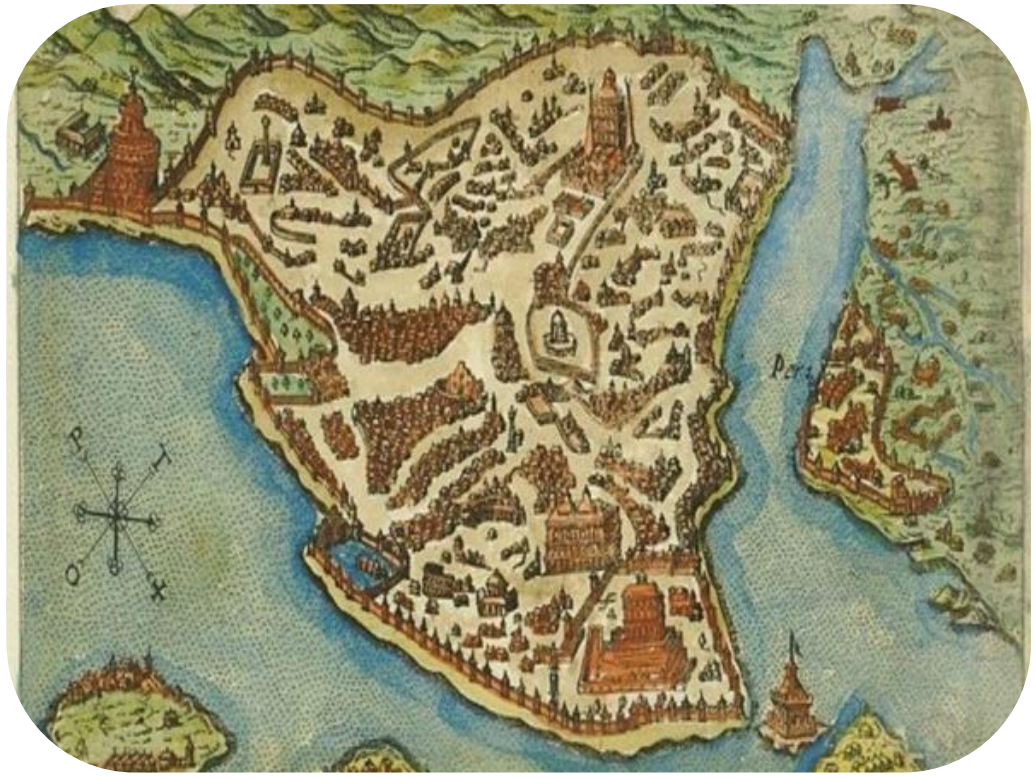

Byzantine Empire promoted Christianity

बाइज़ेंटाइन साम्राज्य ईसाई मत को बढ़ावा देता था

Sasanian empire patronised Zoroastrianism

ससानी साम्राज्य ज़रतुश्त धर्म को संरक्षण प्रदान करता था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Arab invasions, these two empires had declined in strength due to religious conflicts and revolts by the aristocracy

अरबों के आक्रमण के समय, इन दो साम्राज्यों की शक्ति में धार्मिक संघषों और अभिजात वगों के विद्रोहोंके कारण गिरावट आ चुकी थी।

In three successful campaigns (637-642), the Arabs brought Syria, Iraq

तीन सफल अभियानों (637–642) में, अरबों ने सीरिया, इराक़ में ला दिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Third caliph, Uthman, to extend the control to Central Asia

तीसरे खलीफ़ा, उथमान ने अपना नियंत्रण मध्य एशिया तक बढ़ाने के लिए चलाए

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Caliphs imposed a new administrative structure headed by governors (amirs) and tribal chieftains (ashraf)

खलीफ़ाओं ने नया प्रशासनिक ढाँचा लागू किया, जिनके अध्यक्ष गवर्नर (अमीर) और कबीलों के मुखिया (अशरफ) थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Central treasury

केंद्रीय राजकोष

Taxes

करों

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Share of the booty from raids

लूट से हिस्से प्राप्त करता था।

Ruling class and soldiers received shares of the booty and monthly payments (ata)

शासक वर्ग और सैनिकों को लूट में हिस्सा मिलता था और मासिक अदायगियां (अता) प्राप्त होती थीं।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

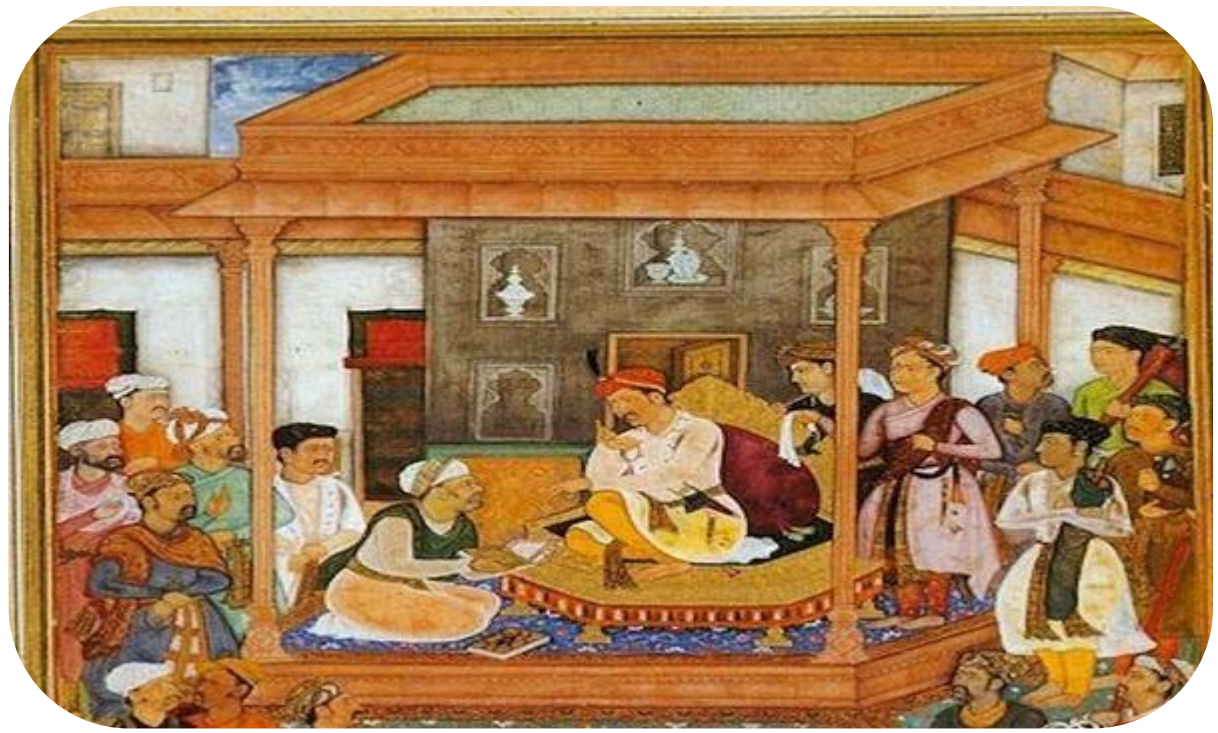

Non-Muslim population retained their rights to property and religious practices on payment of taxes (kharaj and jiziya)

ग़ैर–मुस्लिम लोगों द्वारा करों (खराज और जिज़िया) को अदा करने पर, उनका सम्पत्ति का और धार्मिक कार्यों को संपन्न करने का अधिकार बना रहता था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

With territorial expansion, the unity of the umma became threatened by conflicts over the distribution of resources and offices

राजक्षेत्र के विस्तार से, संसाधनों और पदों के वितरण के बारे में पैदा हुए झगड़े उम्मा की एकता के लिए खतरा बन गए।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Third caliph, Uthman

तीसरा खलीफ़ा, उथमान

Opposition in Iraq and Egypt, combined with opposition in Medina, led to the assassination of Uthman

इराक़ और मिस्र में तो विरोध था ही अब मदीने में भी विरोध उत्पन्न हो जाने के परिणामस्वरूप उथमान की हत्या कर दी गई।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Ali became the fourth caliph

अली को चौथा खलीफ़ा नियुक्त किया गया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Ali established himself at Kufa and defeated an army led by Muhammad's wife, Aisha, in the Battle of the Camel

अली ने अपने आपको कुफा में स्थापित कर लिया और मुहम्मद की पत्नी, आयशा के नेतृत्व वाली सेना को 'ऊँट की लड़ाई' में पराजित कर दिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Ali's second battle

अली का दूसरा युध

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Ended in a truce which split his followers into two groups: some remained loyal to him, while others left the camp and came to be known as Kharjis

संधि के रूप में समाप्त हुआ, जिसने उसके अनुयायियों को दो धड़ों में बाँट दिया; कुछ उसके वफादार बने रहे, जबकि अन्य लोगों ने उसका साथ छोड दिया और वे खरजी कहलाने लगे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Muawiya made himself the next caliph in 661, founding the Umayyad dynasty

मुआविया ने 661 में अपने आपको अगला खलीफा घोषित कर दिया और उमय्यद वंश की स्थापना की

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

The conquest of large territories destroyed the caliphate based in Medina and replaced it with an increasingly authoritarian polity

बड़े–बड़े क्षेत्रों पर विजय प्राप्त होने से मदीना में स्थापित खिलाफ़त नष्ट हो गई और उसका स्थान बढ़ते हुए सत्तावादी राजतंत्र ने ले लिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

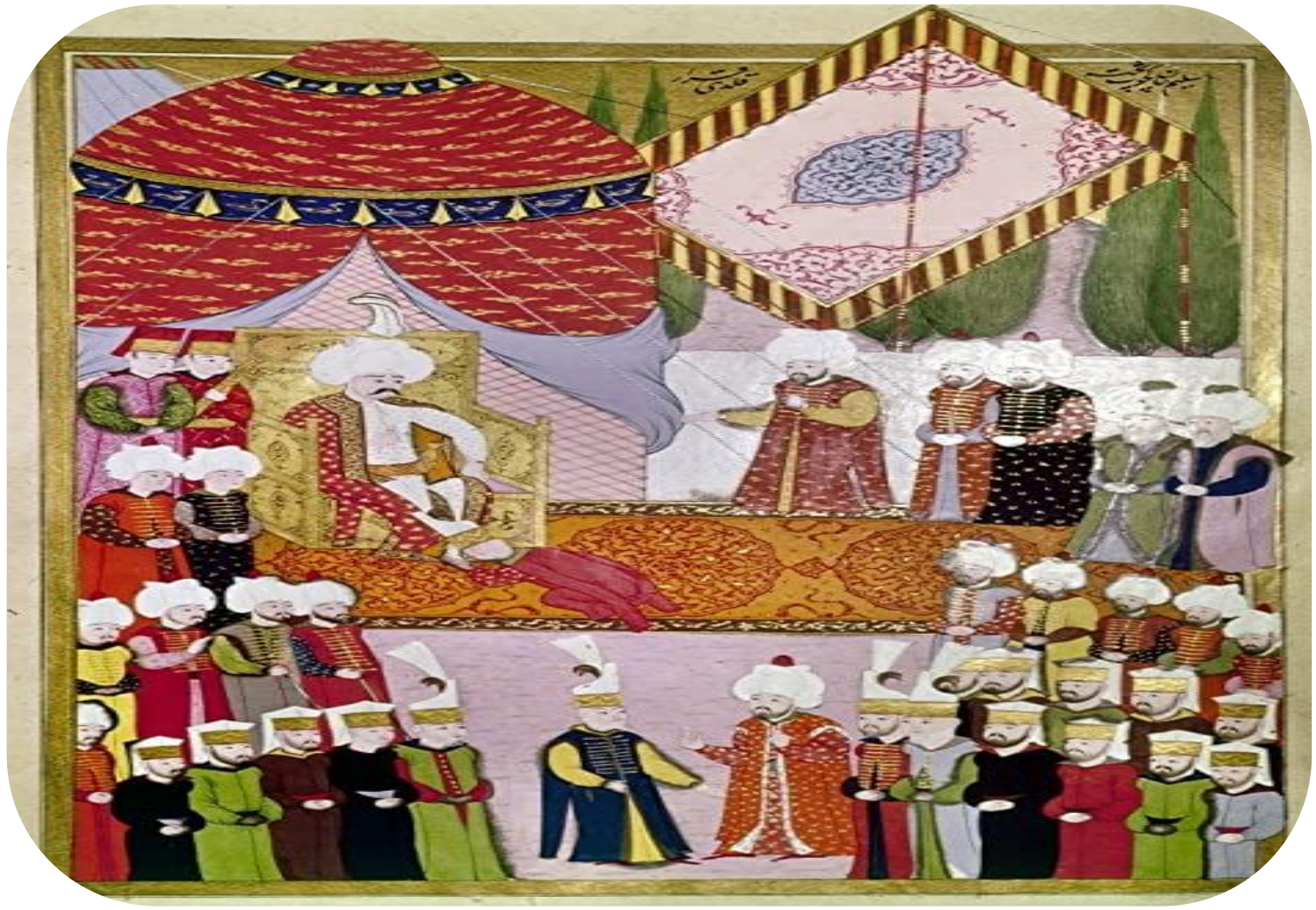

Introduced hereditary succession

वंशगत उत्तराधिकार की परंपरा भी प्रारंभ की

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

First Umayyad caliph, Muawiya, moved his capital to Damascus and adopted the court ceremonies and administrative institutions of the Byzantine Empire

पहले उमय्यद खलीफा मुआविया ने दमिश्क को अपनी राजधानी बनाया और फिर बाइज़ेंटाइन साम्राज्य की राजदरबारी रस्मों और प्रशासनिक संस्थाओं को अपना लिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Umayyad state

उमय्यद राज्य

No longer based directly on Islam but on statecraft and the loyalty of Syrian troops

अब वह सीधे इस्लाम पर आधारित नहीं था, बल्कि वह शासन-कला और सीरियाई सैनिकों की वफादारी के बल पर चल रहा था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Christian advisers in the administration

पशासन में ईसाई सलाहकार

Zoroastrian scribes and bureaucrats

ज़रतुश्त लिपिक और अधिकारी

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Umayyads always appealed for unity and suppressed rebellions in the name of Islam

उमय्यद हमेशा एकता के लिए अनुरोध करते रहे और विद्रोहों को इस्लाम के नाम पर दबाते रहे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Among the measures Abd al-Malik took were the adoption of Arabic as the language of administration and the introduction of an Islamic coinage

अब्द अल–मलिक ने जो नीतियां अपनाइं, उनमें अरबी को प्रशासन की भाषा के रूप में अपनाना और इस्लामी सिक्कों को जारी करना शामिल था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Gold dinar

सोने के दीनार

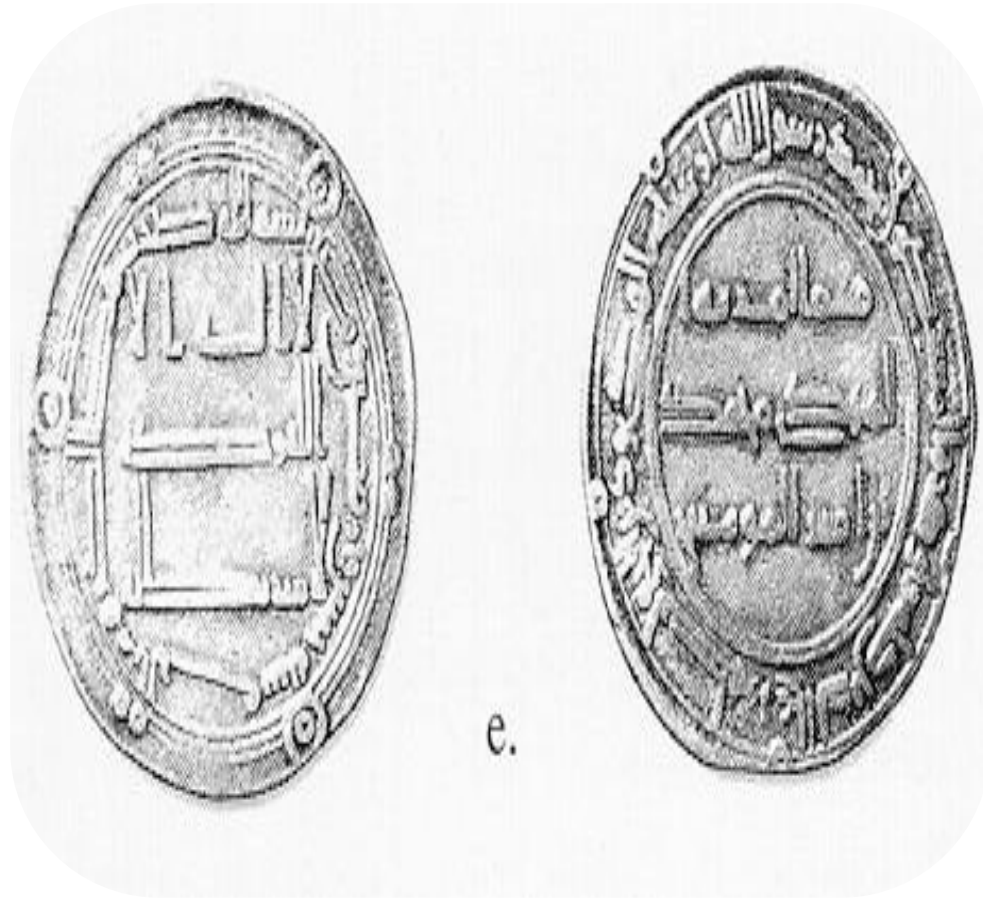

Silver dirham

चाँदी के दिरहम

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Abd al-Malik

अब्द अल–मलिक

Made Islamic identity, by building the Dome of the Rock

डोम ऑफ रॉक बनवाकर अरब–इस्लामी पहचान में योगदान दिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Well - organised movement, called dawa, brought down the Umayyads and replaced them with another family of Meccan origin, the Abbasids, in 750

दवा नामक एक सुनियोजित आंदोलन ने उमय्यद वंश को उखाड फेंका। 750 में इस वंश की जगह अब्बासियों ने ले ली जो मक्का के ही थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Abbasids portrayed the Umayyad regime as evil and promised a restoration of the original Islam of the Prophet

अब्बासियों ने उमय्यद शासन को दुष्ट बताया और यह दावा किया कि वे पैगम्बर मुहम्मद के मूल इस्लाम की पुनर्स्थापना करेंगे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Army was led by an Iranian slave, Abu Muslim, who defeated the last Umayyad caliph, Marwan, in a battle at the river Zab

सेना का नेतृत्व एक ईरानी गुलाम अबू मुस्लिम ने किया, जिसने अंतिम उमय्यद खलीफा, मारवान, को ज़ब नदी पर हुई लड़ाई में हराया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Abbasid rule, Arab influence declined, while the importance of Iranian culture increased

अब्बासी शासन के अंतर्गत, अरबों के प्रभाव में गिरावट आई, जबकि ईरानी संस्कृति का महत्त्व बढ़ गया।

Abbasids established their capital at Baghdad

अब्बासियों ने अपनी राजधानी बग़दाद में स्थापित की।

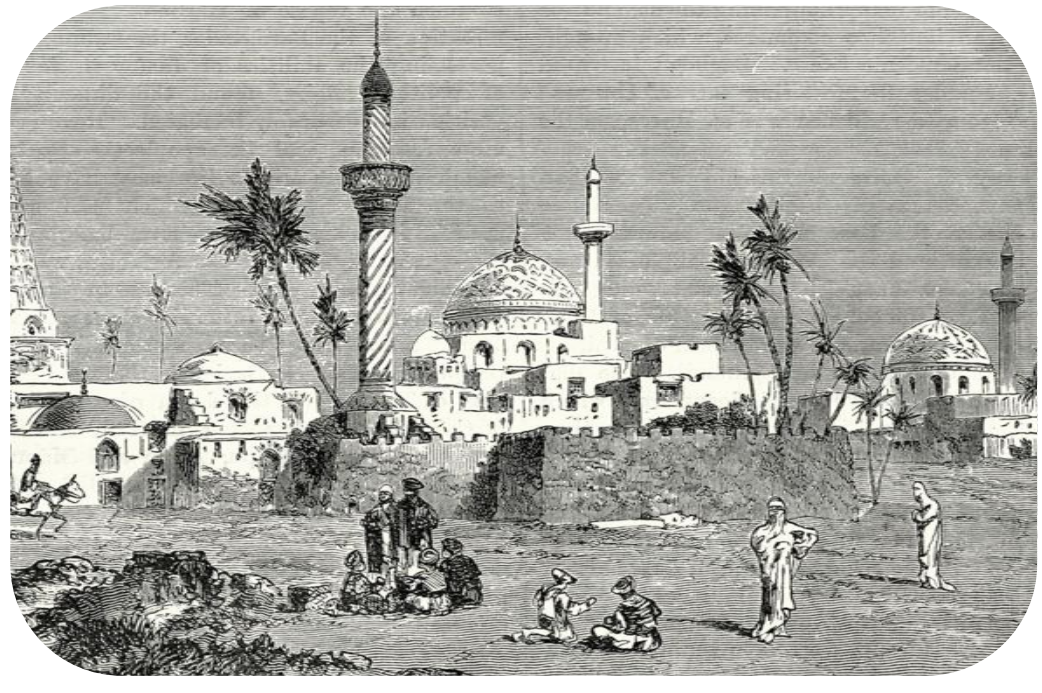

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Army and bureaucracy were reorganised on a non-tribal basis to ensure greater participation by Iraq and Khurasan

इराक और खुरासान की अपेक्षाकृत अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, सेना और नौकरशाही का पुनर्गठन ग़ैर-कबीलाई आधार पर किया गया।

Abbasid state became weaker

अब्बासी राज्य कमज़ोर होता गया

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Because Baghdad's control over the distant provinces declined

क्योंकि दूर के प्रांतों पर बग़दाद का नियंत्रण कम हो गया था,

because of conflict between pro-Arab and pro-Iranian factions in the army and Bureaucracy

इसका एक कारण यह भी था कि सेना और नौकरशाही में अरब–समर्थक और ईरान–समर्थक गुटों में आपस में झगड़ा हो गया था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Civil war broke out between supporters of Amin and Mamun, sons of the caliph Harun al-Rashid

खलीफ़ा हारुन अल–रशीद के पुत्रों, अमीन और मामुन के समर्थकों के बीच गृह यध शुरू हो गया,

Created a new power bloc of Turkish slave officers

तुर्की गुलाम अधिकारियों का एक नया शक्ति गुट बन गया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

A number of minor dynasties arose

बहुत से नए छोटे राजवंश उत्पन्न हो गए

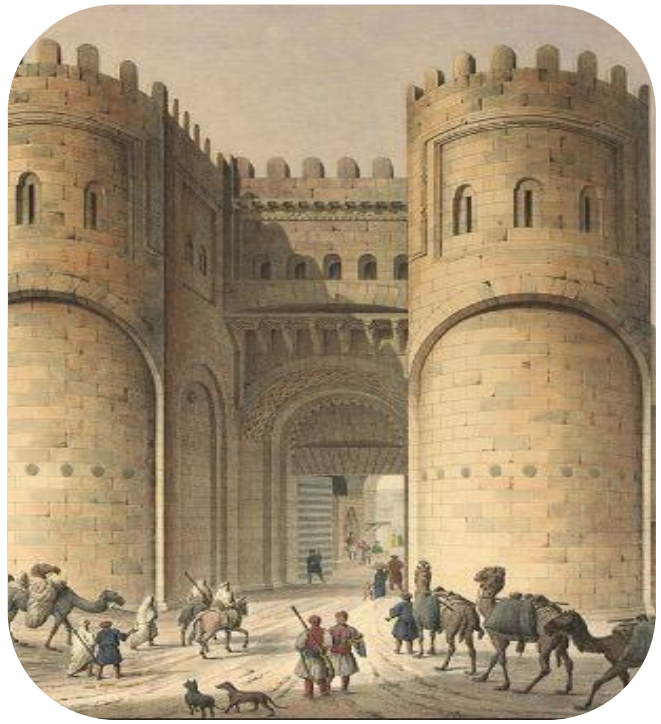

Another Shiite dynasty, the Fatimids, had ambitions to rule the Islamic world

एक अन्य शिया राजवंश, फ़ातिमी, की महत्त्वाकांक्षा थी कि वह इस्लामी जगत पर शासन करे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Fatimids belonged to the Ismaili sub- sect of Shiism and claimed to be descended from the Prophet's daughter, Fatima, and hence, the sole rightful rulers of Islam

फ़ातिमी का संबंध शिया सम्प्रदाय के एक उप–सम्प्रदाय इस्माइली से था और उनका दावा था कि वे पैगम्बर की बेटी, फ़ातिमा, के वंशज हैं और इसलिए वे इस्लाम के एकमात्र न्यायसंगत शासक हैं।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Islamic society was held together

इस्लामी समाज एकजुट बना रहा।

By common economic and cultural patterns

सामान्य आर्थिक और सांस्कृतिक प्रतिरूपों से

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Scholars, artists and merchants moved freely within the central Islamic lands and assured the circulation of ideas and manners

विद्वान, कलाकार और व्यापारी इस्लामी दुनिया के भीतर मुक्त रूप से घूमते–फिरते और आते–जाते थे और विचारों तथा तौर–तरीकों का प्रसार सुनिश्चित करते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Identity of Islam as a religion and a cultural system separate from other religions became much sharper, which made conversion possible and meaningful

अन्य धर्मों से अलग धर्म और सांस्कृतिक प्रणाली के रूप में इस्लाम की पहचान अधिक सुस्पष्ट हो गई। इससे धर्मांतरण संभव और अर्थवान प्रतीत हुआ।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Turks were nomadic tribes from the Central Asian steppes of Turkistan

तुर्क, तुर्किस्तान के मध्य एशियाई के खानाबदोश कबाइली लोग थे

Who gradually converted to Islam

जिन्होंने धीरे–धीरे इस्लाम को अपना लिया

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Samanid and Buyid administrations as slaves and soldiers, rising to high positions on account of their loyalty and military abilities

वे कुशल सवार और योधा थे और वे गुलामों और सैनिकों के रूप में अब्बासी, समानी और बुवाही प्रशासनों में शामिल हो गए और अपनी वफ़ादारी तथा सैनिक योग्यताओं के कारण तरक्की करके उच्च पदों पर पहुँच गए।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Ghaznavids were a military dynasty with a professional army of Turks and Indians

गज़नवी एक सैनिक वंश था, जिनके पास तुर्कों और भारतीयों जैसी पेशेवर सेना थी

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Mahmud was conscious of being the son of a slave and was especially eager to receive the title of Sultan from the caliph

महमूद इस बारे में सचेत था कि वह एक गुलाम का बेटा है और वह खलीफ़ा से सुलतान की उपाधि प्राप्त करने के लिए बहुत इच्छुक था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Christians were regarded

ईसाइयों को समझा जाता

था

People of the Book

पुस्तक वाले लोग

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Had their own scripture

उनके पास उनका अपना धर्मग्रंथ था

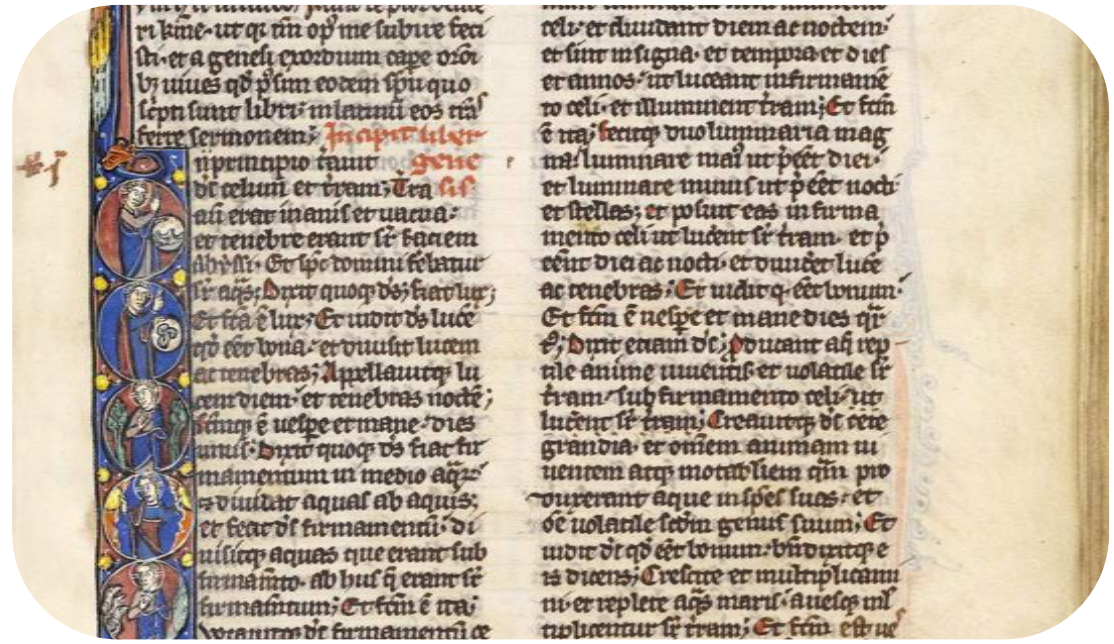

Christians were granted safe conduct while venturing into Muslim states as merchants, pilgrims, ambassadors and travellers.

व्यापारियों, तीर्थयात्रियों, राजदूतों और यात्रियों के रूप में मुस्लिम राज्यों में आने वाले ईसाइयों को सुरक्षा प्रदान की जाती थी।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Jerusalem was conquered by the Arabs in 638

अरबों ने जेरूसलम को 638 में जीत लिया था,

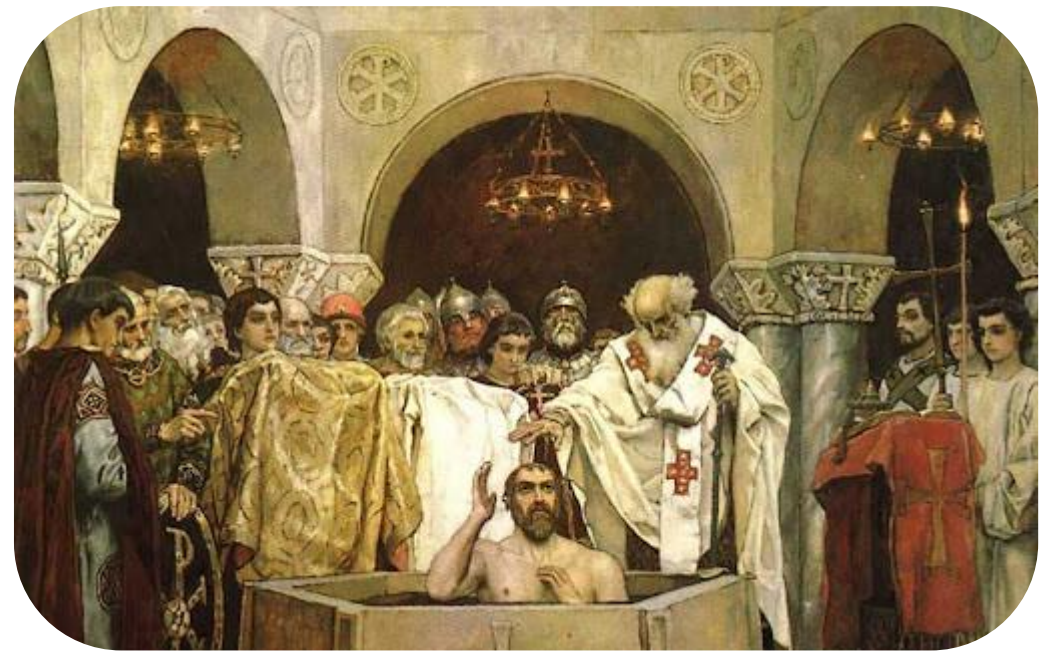

Normans, Hungarians and some Slavs had been converted to Christianity

नार्मनों, हंगरीवासियों और कुछ स्लाव लोगों को ईसाई बना लिया गया था

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Muslims alone remained as the main enemy

केवल मुसलमान मुख्य शत्रु रह गए थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Military confrontation between competing feudal principalities and a return to economic organisation based on plunder were contained by the Peace of God movement

प्रतिस्पर्धी सामंती राज्यों के बीच सैनिक मुठभेड़ की संभावनाओं और लूटमार पर आधारित अर्थव्यवस्था के पुनर्उदय को 'ईश्वरीय शांति' (पीस ऑफ गॉड) आंदोलन द्वारा रोका गया था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Death in 1092 of Malik Shah, the Saljuq sultan of Baghdad, was followed by the disintegration of his empire

1092 में बग़दाद के सलजुक़ सुलतान, मलिक शाह की मृत्य, के बाद उसके साम्राज्य का विघटन हो गया।

Pope Urban II, this was an opportunity to revive the spirit of Christianity

पोप अर्बन द्वितीय (**Urban II**) के लिए ईसाई धर्म की जीवट प्रवृत्ति को फिर से जीवित करने का एक अवसर था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

First crusade

प्रथम धर्मयुध

Soldiers from France and Italy captured Antioch in Syria, and claimed Jerusalem

फ्रांस और इटली के सैनिकों ने सीरिया में एंटीओक और

जेरूसलम पर कब्ज़ा कर लिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Writers referred to the arrival of the Christians (called ifrinji or firangi) as a Frankish invasion

मुस्लिम लेखकों ने ईसाइयों (जिन्हें फिरंगी अथवा इफ्रिंजी कहा जाता था) के आगमन का उल्लेख पश्चिमी लोगों के आक्रमण के रूप में किया है।

Second crusade

दूसरे धर्मयुध

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Combined German and French army made an attempt to capture Damascus but they were defeated and forced to return home

जर्मन और फ्रांसीसी सेना ने दमिश्क पर कब्ज़ा करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें हरा कर घर लौटने के लिए मजबूर कर दिया गया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Salah al-Din (Saladin) gave the call for jihad or holy war against the Christians

सलाह अल–दीन (सलादीन) ने ईसाइयों के विरुध धर्मयुध करने का आह्वान किया,

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Regained Jerusalem

जेरूसलम पर फिर से कब्ज़ा कर लिया।

Number of churches were turned into mosques, and Jerusalem once again became a Muslim city

बहुत–से गिरजाघरों को मस्जिदों में बदल दिया गया, और जेरूसलम एक बार फिर मुस्लिम शहर बन गया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Third crusade

तीसरा धर्मयुध

Crusaders gained little

धर्मयोद्धाओं को लाभ हुआ

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Free access to Jerusalem for Christian pilgrims

ईसाई तीर्थयात्रियों के लिए जेरूसलम में मुक्त रूप से प्रवेश प्राप्त हुआ।

Agriculture was the principal occupation

प्रमुख व्यवसाय कृषि था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Land was owned by big and small peasants

ज़मीन के मालिक बड़े और छोटे किसान थे

Cultivated by peasants

खेती किसानों द्वारा की जाती थी।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Estate owners collected taxes on behalf of the state

संपदा स्वामी राज्य की ओर से कर एकत्र करते थे।

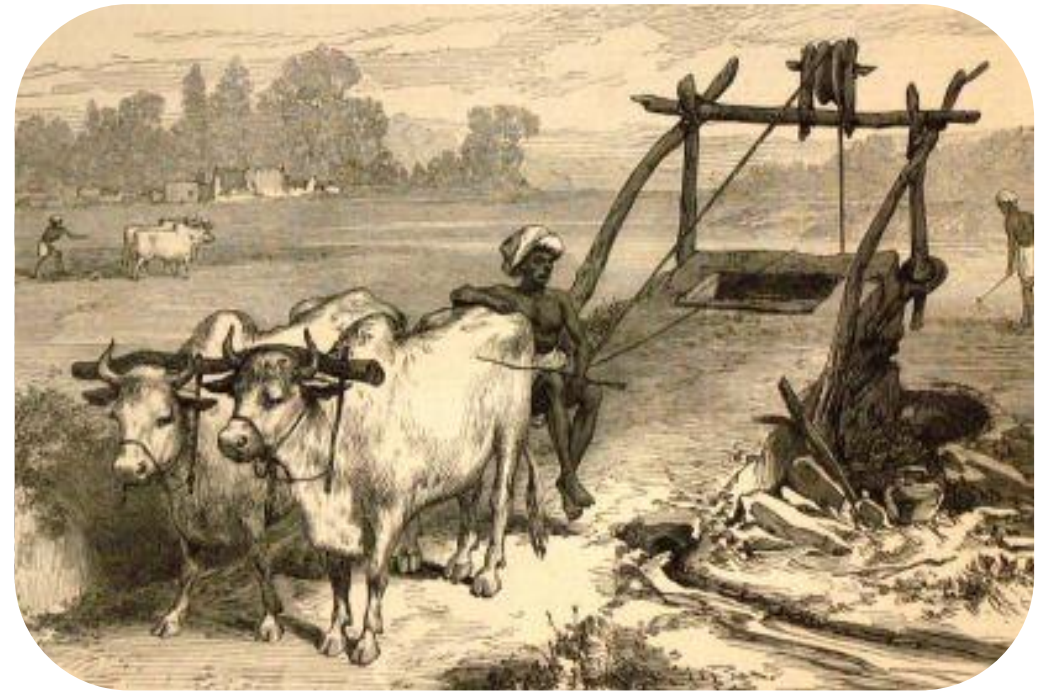

Moved from a pastoral to a settled agricultural system

पशुचारण की स्थिति से आगे बढ़कर स्थिर कृषि व्यवस्था तक पहुँच गए थे

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

State had overall control of agricultural lands

कृषि भूमि का सर्वोपरि नियंत्रण राज्य के हाथों में था

Lands conquered by the Arabs that remained in the hands of the owners were subject to a tax (kharaj)

अरबों द्वारा जीती गई भूमि पर, जो मालिकों के हाथों में रहती थी, कर (खराज) लगता था,

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Muslims, the tax levied was one-tenth (ushr) of the Produce

मुसलमानों द्वारा उपज के दसवें हिस्से के बराबर कर लगता था।

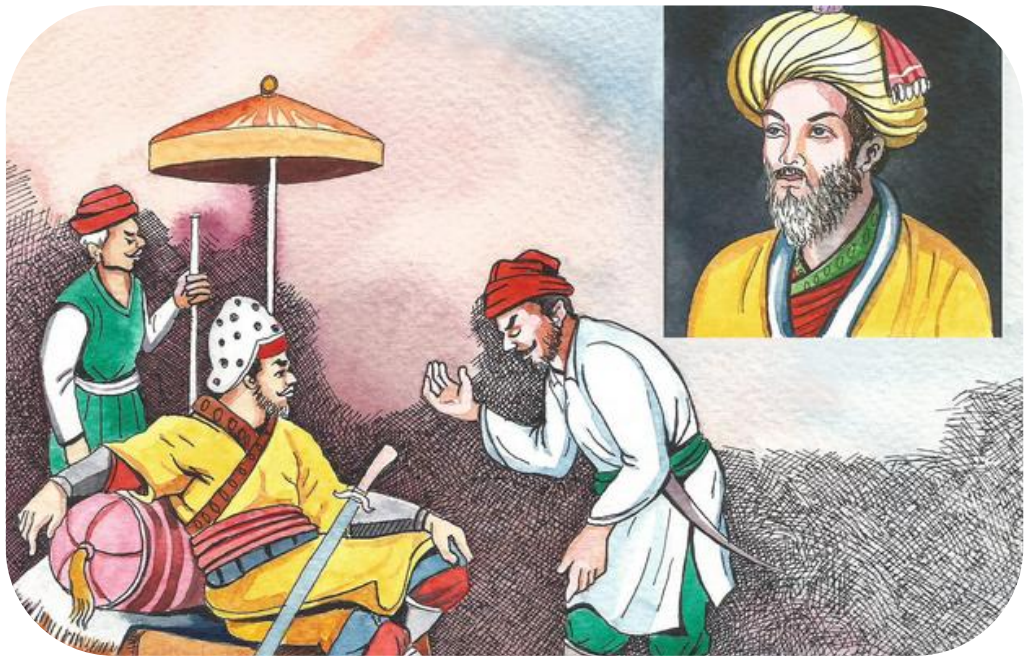

State authorised its officials to claim their salaries from agricultural revenues from territories, called iqtas

राज्य ने अधिकारियों को अपना वेतन भूमियों के कृषि राजस्व से, जिसे इक्ता कहा जाता था, लेने के लिए प्राधिकृत किया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Irrigation systems, the construction of dams and canals, and the digging of wells

सिंचाई प्रणालियों, बाँधों और नहरों के निर्माण, कुओं की खुदाई

Islamic law gave tax concessions to people who brought land under cultivation

इस्लामी कानून में उन लोगों को कर में रियायत दी गई, जो ज़मीन को पहली बार खेती के काम में लाते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

New crops such as cotton, oranges, bananas, watermelons, spinach and brinjals (badinjan) were grown

नयी फ़सलों; जैसे – कपास, संतरा, केला, तरबूज़, पालक और बैंगन की खेती की गई

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

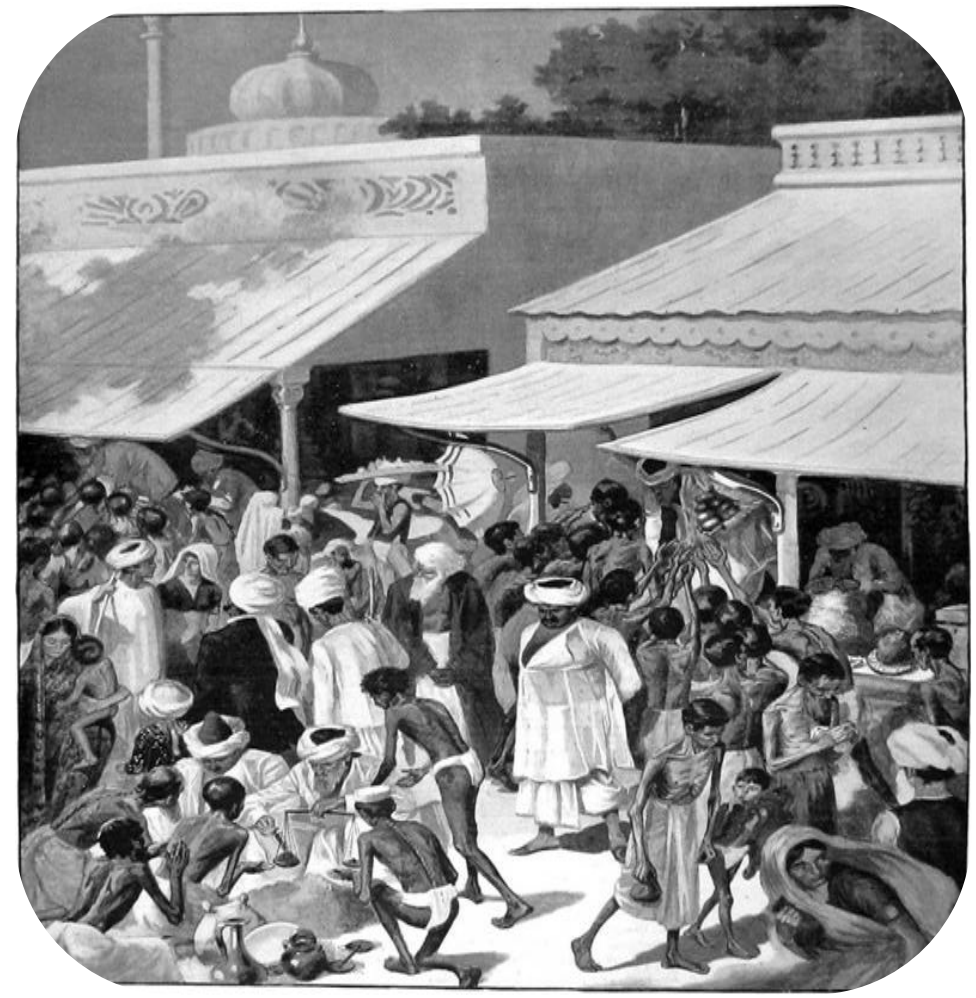

Size and population surged, supported by an expansion in the production of foodgrains and raw materials

खाद्यान्नों और शहरी विनिर्माताओं के लिए कच्ची सामग्री में वृधि की गई जिससे इन शहरों के आकार और इनकी जनसंख्या में बढ़ोतरी हुई।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Vast urban network developed, linking one town with another and forming a circuit

एक शहर दूसरे शहर से जुड गया और परस्पर संपर्क एव कारोबार बढ़ गया।

City were two building

शहर के केंद्र में दो भवन–समूह होते थे

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Radiating cultural and economic power

सांस्कृतिक और आर्थिक शक्ति का प्रसारण

Mosque

मस्जिद

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Big enough to be seen from a distance

दूर से दिखाई दे सकती थी।

Central marketplace

केंद्रीय मंडी

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

With shops in a row, merchants' lodgings (fanduq) and the office of the money-changer

दुकानों की कतारें होती थीं, व्यापारियों के आवास (फ़ंदुक़) और सर्राफ़ का कार्यालय होता था।

Ordinary citizens and soldiers had their living quarters in the outer circle

सामान्य नागरिकों और सैनिकों

के रहने के क्वार्टर बाहरी घेरे में होते थे

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Subsidiary market and public bath (hammam), an important meeting place

छोटी मंडी और सार्वजनिक स्नानघर (हमाम) और एक महत्त्वपूर्ण सभा-स्थल होता था।

Beyond the city walls were inns for people to rest when the city gates were shut and cemeteries

सराय में लोग उस समय आराम कर सकते थे जब शहर के दरवाज़े बंद कर दिए गए हों।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Political unification and urban demand for foodstuffs and luxuries enlarged the circuit of exchange

राजनीतिक एकीकरण और खाद्य पदाथों और विलास–वस्तुओं की शहरी माँग ने विनिमय के दायरे का विस्तार कर दिया।

Arab and Iranian traders monopolised the maritime trade between China, India and Europe

अरब और ईरानी व्यापारियों का चीन, भारत और यूरोप के बीच के समुद्री व्यापार पर एकाधिकार रहा।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

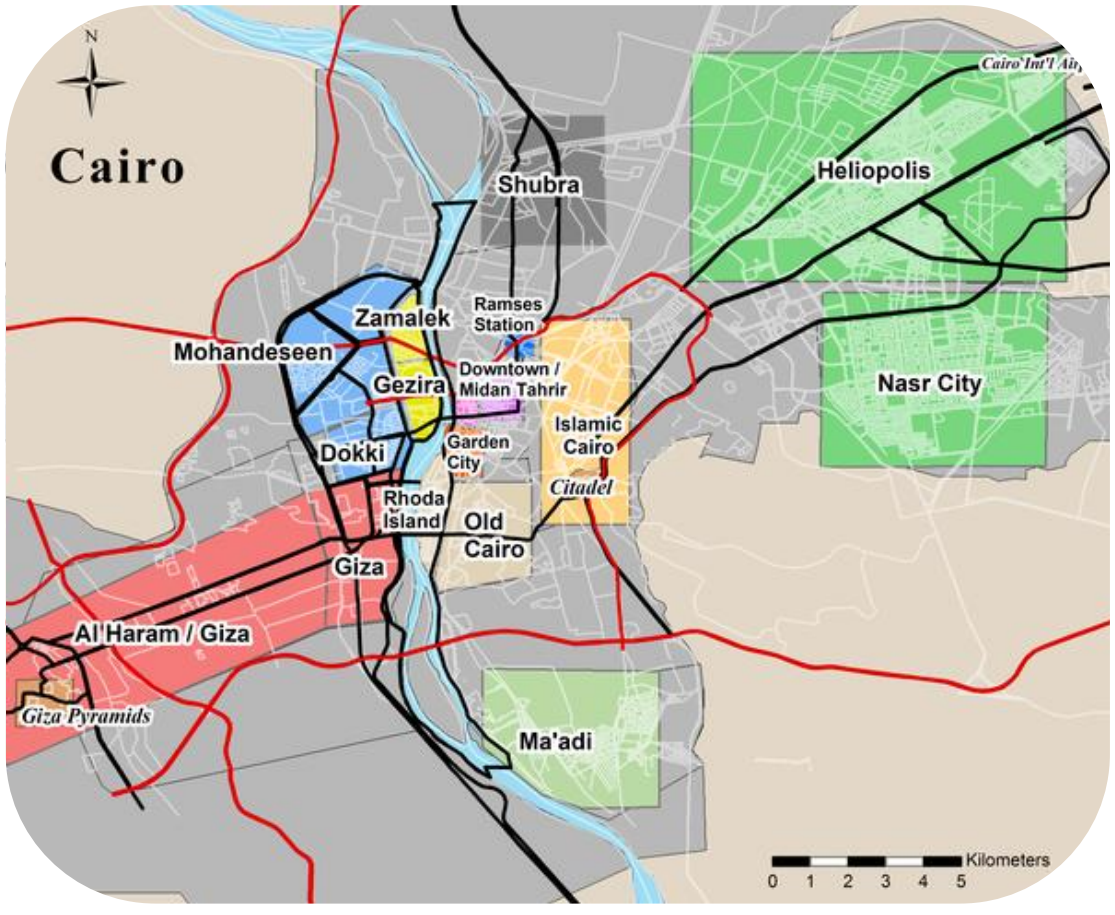

Red Sea route gained greater importance due to the rise of Cairo as a centre of commerce and power and growing demand for eastern goods from the trading cities of Italy

व्यापार और शक्ति के केंद्र के रूप में काहिरा के उभर आने के कारण और इटली के व्यापारिक शहरों से पूर्वी माल की बढ़ती हुई माँग के कारण लाल सागर के मार्ग ने अधिक महत्त्व प्राप्त कर लिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Islamic coins, used for the payment

अदायगी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले इस्लामी सिक्के

Male and female Turkish slaves (ghulam) too were purchased

इन बाज़ारों में तुर्क गुलाम (दास–दासियाँ) भी खरीदे जाते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Coins of gold, silver and copper (fulus) were minted and circulated

सोने, चाँदी और ताँबे (फ़ुलस) के सिक्के बनाए जाते थे

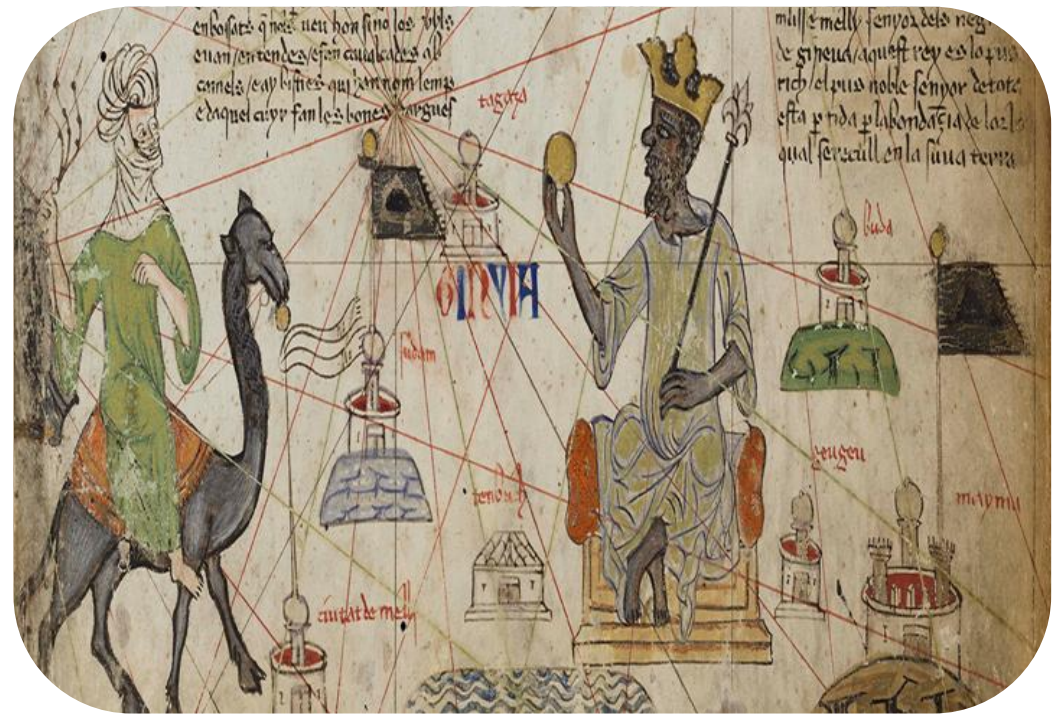

Gold came from Africa

सोना अफ़्रीका (सूदान) से आती थी

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Silver from Central Asia

चाँदी मध्य एशिया (ज़रफशन घाटी) से आती थी।

Precious metals and coins also came from Europe

कीमती धातुएँ और सिक्के यूरोप से भी आते थे

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Rising demand for money forced people to release their accumulated reserves and idle wealth into circulation

धन की बढ़ती हुई माँग ने लोगों को अपने संचित भंडारों और बेकार पड़ी सम्पत्ति का उपयोग करने के लिए विवश कर दिया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Greatest contribution of the Muslim world to medieval economic life was the development of superior methods of payment and business organisation

मध्यकालीन आर्थिक जीवन में मुस्लिम जगत का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने अदायगी और व्यापार व्यवस्था के बढ़िया तरीकों को विकसित किया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Use of commercial papers freed merchants from the need to carry cash everywhere and also made their journeys Safer

वाणिज्यिक पत्रों के व्यापक उपयोग से व्यापारियों को हर स्थान पर नकद मुद्रा अपने साथ ले जाने से मुक्ति मिल गई और इससे उनकी यात्राएँ भी ज़्यादा सुरक्षित हो गइं।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

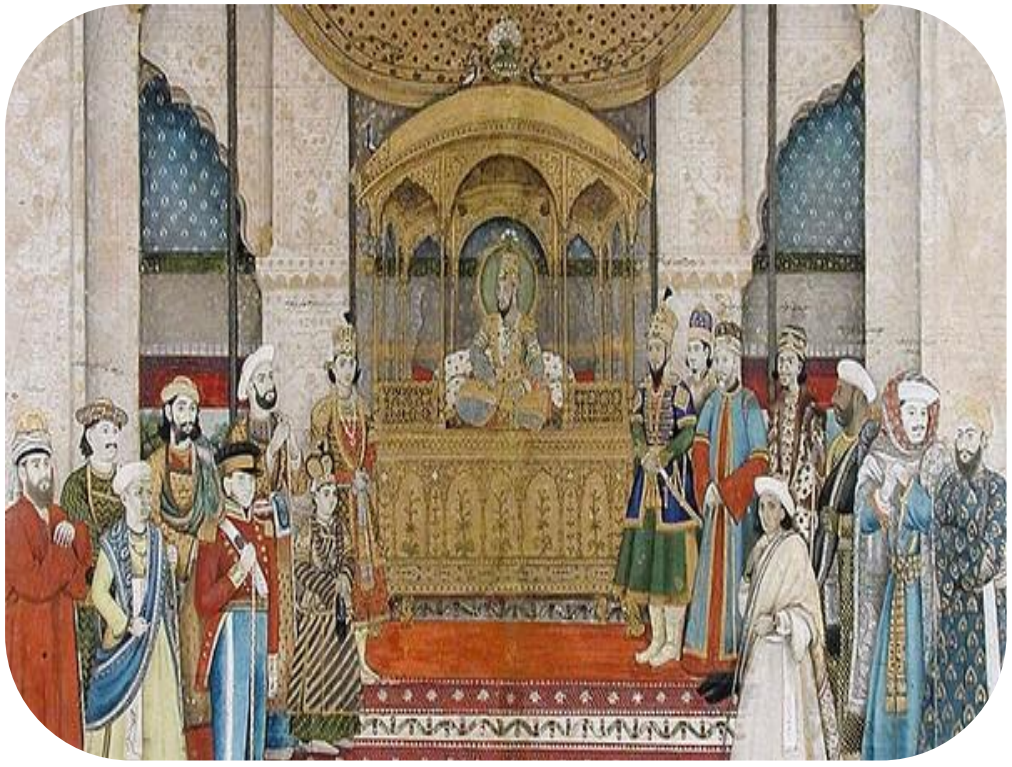

Islam did not stop people from making money

इस्लाम लोगों को धन कमाने से नहीं रोकता था

Interest-bearing transactions (riba) were Unlawful

ब्याज लेन–देन (रिबा) गैर–कानूनी थे

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

For religious scholars (ulama), knowledge (ilm) derived from the Quran and the model behaviour of the Prophet (sunna) was the only way to know the will of God and provide guidance in this World

धार्मिक विद्वानों (उलमा) के लिए क़ुरान से प्राप्त ज्ञान (इल्म) और पैगम्बर का आदर्श व्यवहार (सुन्ना) ईश्वर की इच्छा को जानने का एकमात्र तरीक़ा है और वह इस विश्व में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

A body of laws or sharia (the straight path) to govern the relationship of Muslims with God through rituals (ibadat) and with the rest of the humanity through social affairs (muamalat)

उलमा ने कर्मकांडों (इबादत) के ज़रिए ईश्वर के साथ मुसलमानों के संबंध को नियंत्रित करने और सामाजिक कार्यों (मुआमलात) के ज़रिए बाकी इनसानों के साथ मुसलमानों के संबंधों को नियंत्रित करने के लिए कानून अथवा शरीआ (जिसका शाब्दिक अर्थ है सीधा रास्ता) तैयार करने का काम किया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Differences in the interpretation of the sources and methods of jurisprudence led to the formation of four schools of law

स्रोतों के अर्थ-निर्णय और विधिशास्त्र के तरीकों के बारे में मतभेदों के कारण कानून की चार शाखाएँ बन गईं।

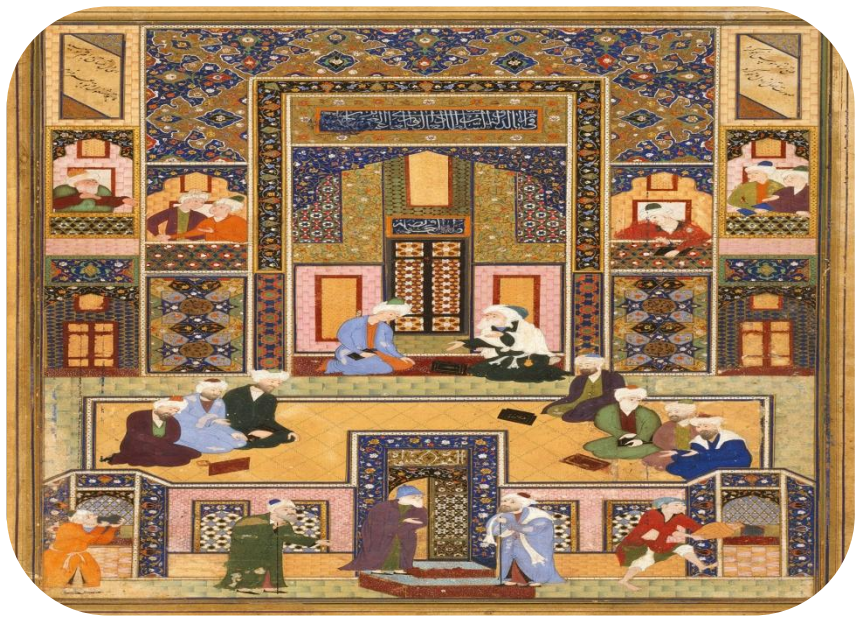

These were the Maliki, Hanafi, Shafii and Hanbali Schools

ये मलिकी, हनफी, शफीई और हनबली थीं

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Sharia provided guidance on all possible legal issues within Sunni society

शरीआ ने सुन्नी समाज के भीतर सभी संभव कानूनी मुद्दों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया था

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

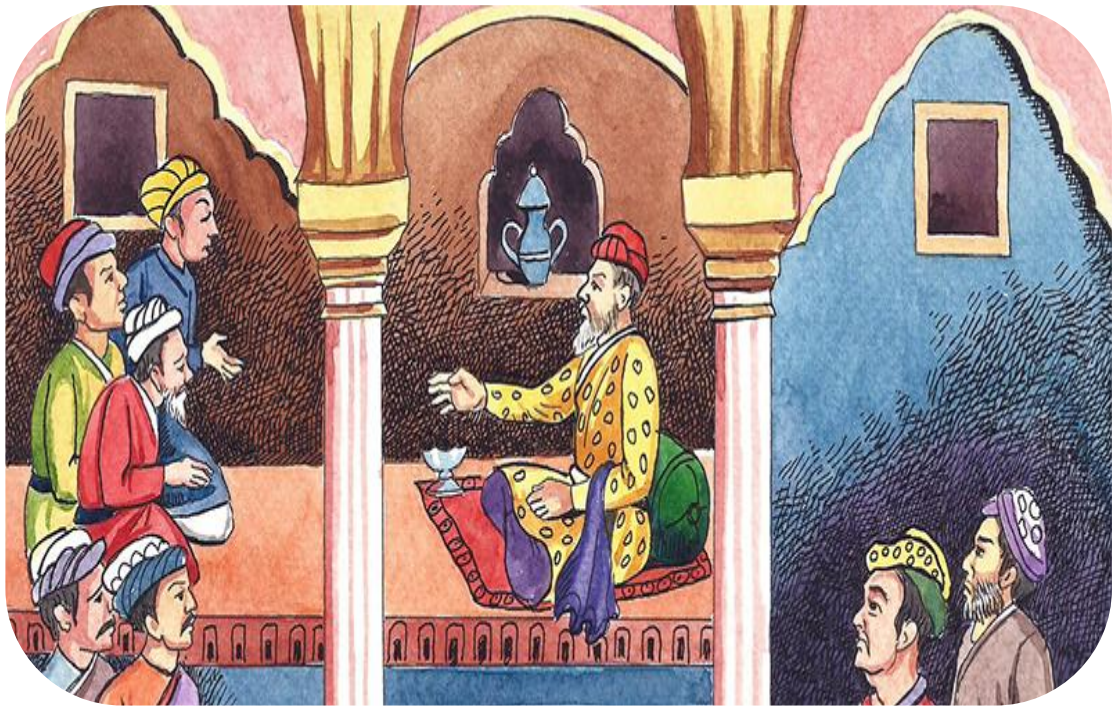

More precise on questions of personal status (marriage, divorce and inheritance) than on commercial matters or penal and constitutional issues

यह वाणिज्यिक अथवा दाण्डिक और संवैधानिक मुद्दों की अपेक्षा वैयक्तिक स्थिति (विवाह, तलाक और विरासत) के प्रश्नों के बारे में अधिक सुस्पष्ट था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

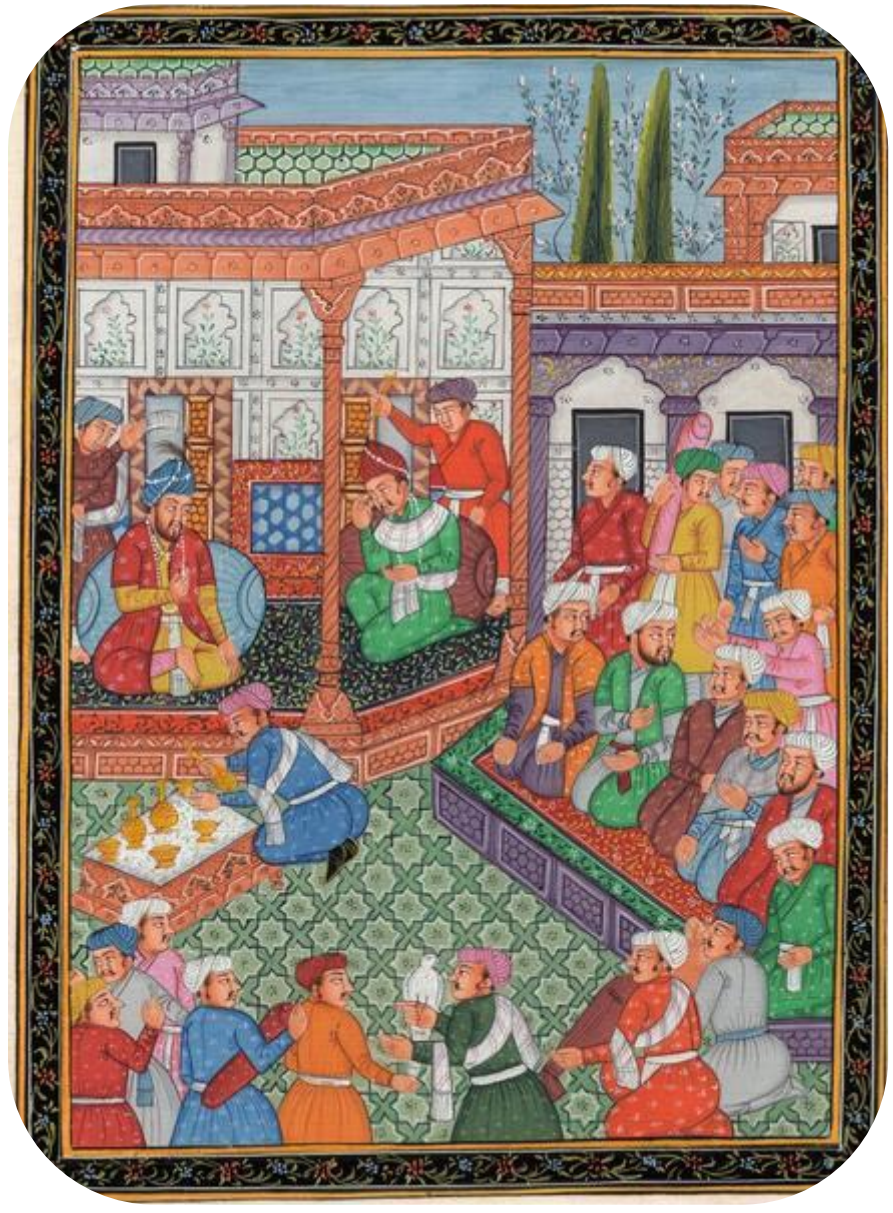

The qazi, appointed by the state in each city or locality, often acted as an arbitrator in disputes, rather than as a strict enforcer of the sharia

राज्य द्वारा प्रत्येक शहर अथवा बस्ती में नियुक्त किया गया काज़ी अक्सर शरीआ का कड़ाई से पालन कराने की बजाय विवाद के सम्मत हल पर पहुँच कर एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Sufis, sought a deeper and more personal knowledge of God through asceticism (rahbaniya) and mysticism

सूफ़ी लोग तपश्चर्या (रहबनिया) और रहस्यवाद के ज़रिए खुदा का अधिक गहरा और अधिक वैयक्तिक ज्ञान प्राप्त करना चाहते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

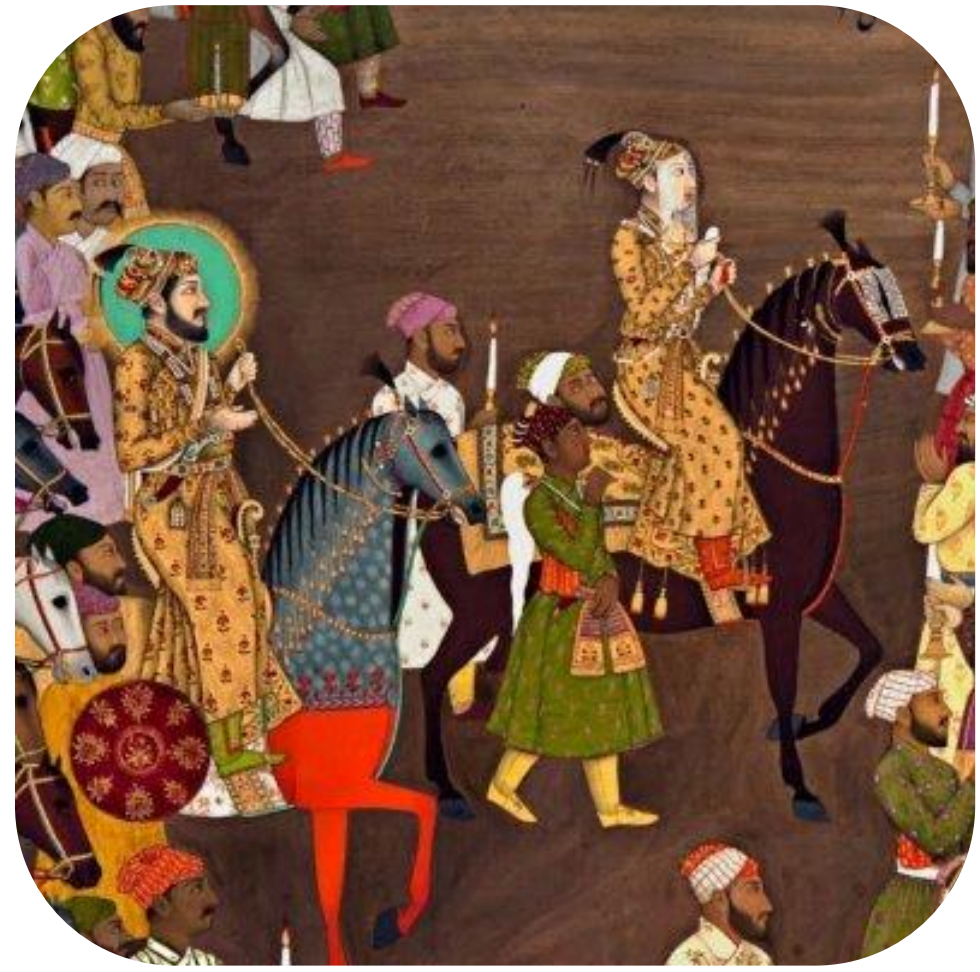

Ascetic inclinations were elevated to the higher stage of mysticism (tasawwuf) by the ideas of pantheism and love

तपश्चर्या एवं वैराग्य की प्रवृत्तियां सर्वेश्वरवाद और प्यार के विचारों द्वारा ऊँचा उठकर रहस्यवाद (तसव्वुफ़) की ऊँची अवस्था पर पहुँच गइं।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Unity with God can be achieved through an intense love for God

ईश्वर से मिलन, ईश्वर के साथ तीव्र प्रेम (इश्क़) के ज़रिए ही प्राप्त किया जा सकता है।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Sufis used musical concerts (sama) to induce ecstasy and stimulate emotions of love and passion. Sufism is open to all regardless of religious affiliation, status and gender.

सूफ़ी आनंद उत्पन्न करने और प्रेम तथा भावावेश उदीप्त करने के लिए संगीत समारोहों (समा) का उपयोग करते थे। सूफ़ीवाद का द्वार सबके लिए खुला है, चाहे वह किसी भी धर्म, हैसियत अथवा लिंग का हो।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Sufism gained popularity and posed a challenge to orthodox Islam.

सूफ़ीवाद ने लोकप्रियता प्राप्त की और रूढ़िवादी इस्लाम के समक्ष चुनौती पेश की।

Mathematics and medicine were taught along with other subjects

अन्य विषयों के साथ-साथ यूनानी दर्शन, गणित और चिकित्सा की शिक्षा दी जाती थी।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Translation became a well-organised activity under al-Mamun, who supported the Library cum Institute of Science

अल–मामून के शासन में अनुवाद एक सुनियोजित क्रियाकलाप बन गया था। उसने बग़दाद में पुस्तकालय–व–विज्ञान संस्थान को सहायता दी थी।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Indian works on astronomy, mathematics and medicine were also translated into Arabic during the same period

खगोल विज्ञान, गणित और चिकित्सा के बारे में भारतीय पुस्तकों का अनुवाद भी इसी काल में अरबी में किया गया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Group known as Mutazila, used Greek logic and methods of reasoning (kalam) to defend Islamic

मुतज़िला के नाम से जाने गए विद्वानों के समूह ने इस्लामी विश्वासों की रक्षा के लिए यूनानी तर्क और विवेचना (कलाम) के तरीकों का इस्तेमाल किया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Ibn Sina (980-1037), a doctor by profession and a philosopher, did not believe in the resurrection of the body on the Day of Judgement.

इब्न सिना (980–1037) का, जो व्यवसाय की दृष्टि से एक चिकित्सक और दार्शनिक था, यह विश्वास नहीं था कि क़यामत के दिन व्यक्ति फिर से जिंदा हो जाता था।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

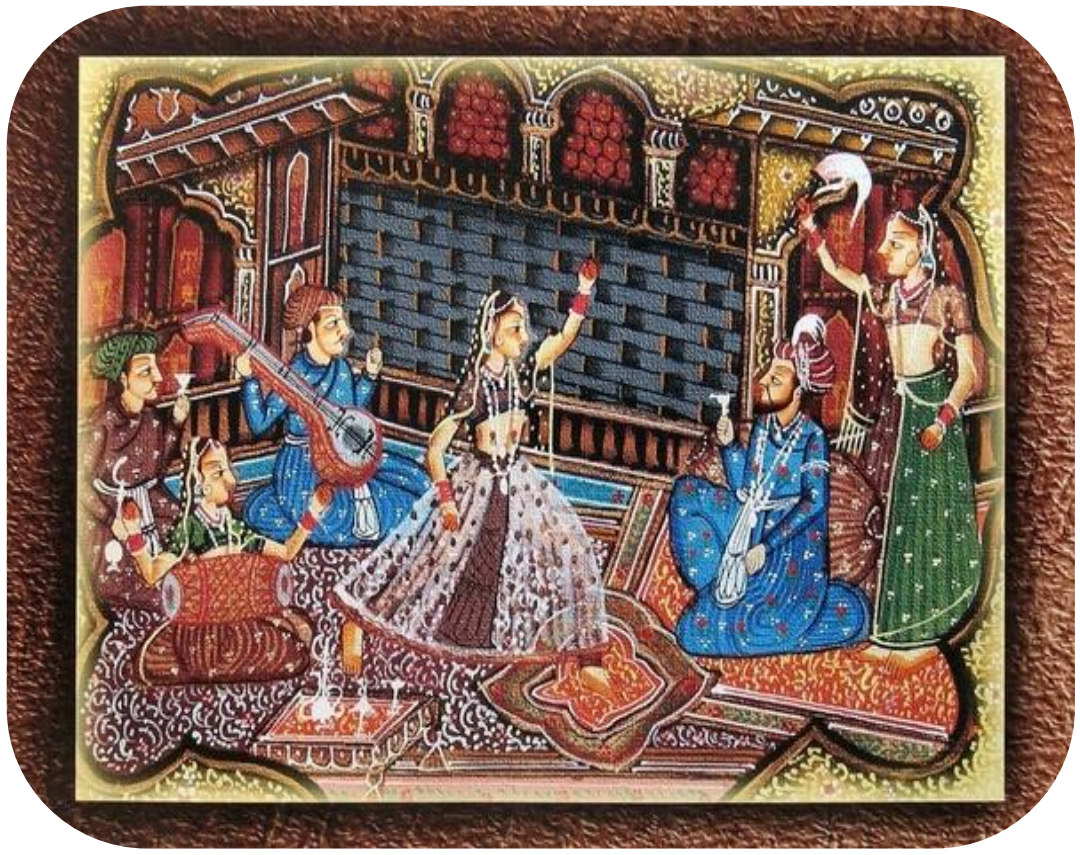

Fine language and a creative imagination were among the most appreciated qualities in a person. These qualities raised a person's communication

बढ़िया भाषा और सृजनात्मक कल्पना को किसी व्यक्ति के सर्वाधिक सराहनीय गुणों में शामिल किया जाता था। ये गुण किसी भी व्यक्ति की विचार–अभिव्यक्ति को ऊँचा उठा देते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Popular poetic composition of pre-Islamic origin was the ode (qasida), developed by poets of the Abbasid period

इस्लाम–पूर्व काल की सबसे अधिक लोकप्रिय रचना संबोधन गीत (कसीदा) था। अब्बासी काल के कवियों द्वारा विकास किया गया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Abu Nuwas who was of Persian origin, broke new ground by composing classical poetry on new themes such as wine and male love with the intention of celebrating pleasures forbidden by Islam

अबु नुवास जो फ़ारसी मूल का था, ने इस्लाम द्वारा वर्जित आनंद मनाने के इरादे से शराब और पुरुष-प्रेम जैसे नए विषयों पर उत्कृष्ट श्रेणी की कविताओं की रचना करके नया मार्ग चुना।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

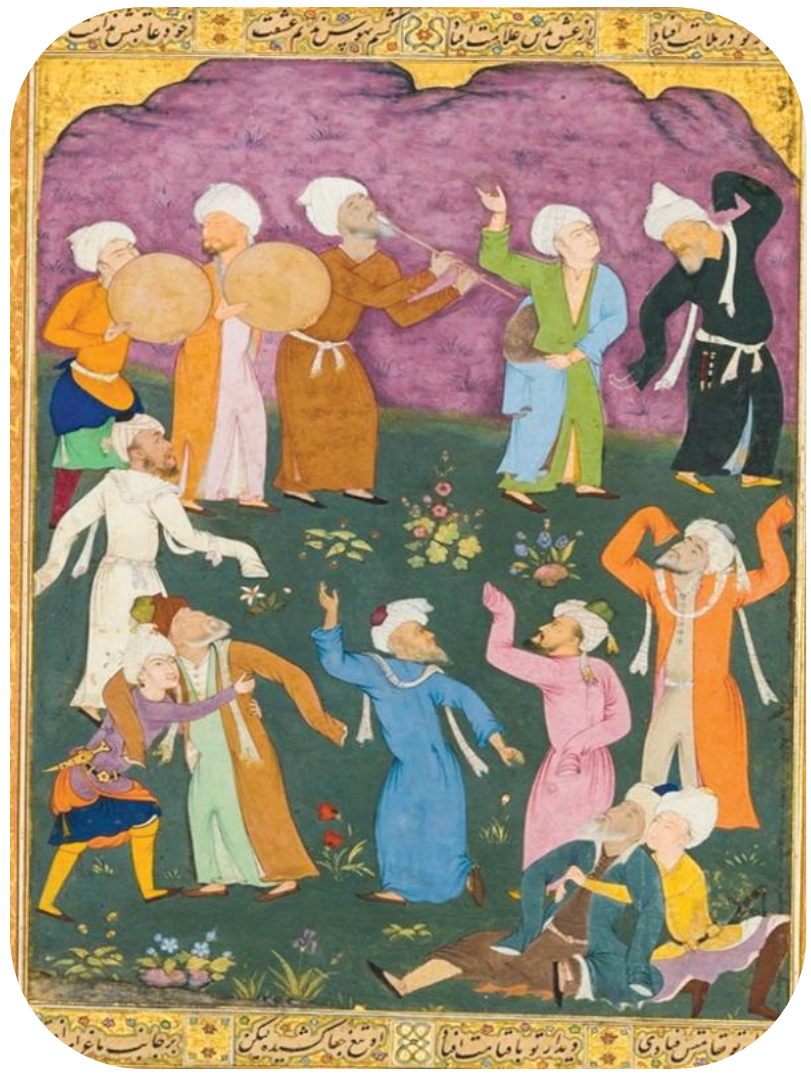

The Sufis glorified the intoxication caused by the wine of mystical love

सूफ़ियों ने रहस्यवादी प्रेम की मदिरा द्वारा उत्पन्न मस्ती का गुणगान किया।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

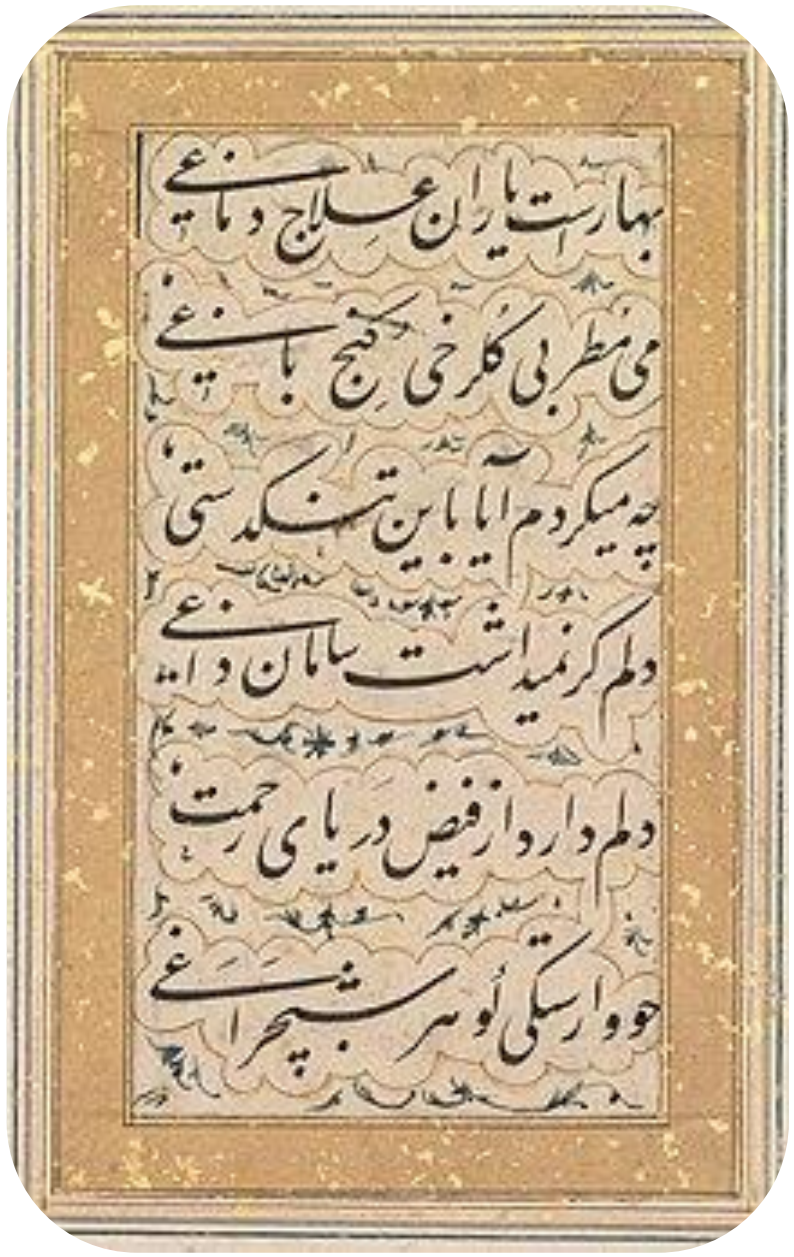

Arabs conquered Iran, Pahlavi, the language of the sacred books of ancient Iran, was in decay. A version of Pahlavi, known as New Persian, with a huge Arabic vocabulary, soon developed

जब अरबों ने ईरान पर विजय प्राप्त की, तब पहलवी, जो प्राचीन ईरान की पवित्र पुस्तकों की भाषा थी, पतन की स्थिति में थी। शीघ्र ही पहलवी का एक और रूप, जिसे नयी फारसी कहा जाता है, विकसित हुआ, जिसमें अरबी के शब्दों की संख्या बहुत अधिक थी।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Samanid court poet Rudaki (d. 940) was considered the father of New Persian poetry, which included new forms such as the short lyrical poem (ghazal) and the quatrain (rubai, plural rubaiyyat)

समानी राज़दरबार के कवि, रुदकी (मृत्यु 940 में), को नयी फ़ारसी कविता का जनक माना जाता था; इस कविता में छोटे गीत-काव्य (गज़ल) और चतुष्पदी (रुबाई) जैसे नए रूप शामिल थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Mahmud of Ghazni gathered around him a group of poets who composed anthologies (diwans) and epic poetry (mathnavi)

गज़नी के महमूद ने अपने चारों ओर कवियों का एक समूह एकत्र कर लिया था, जिन्होंने काव्य-संग्रहों (दीवानों) और महाकाव्यों (मथनवी) की रचना की।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Firdausi (d. 1020), who took 30 years to complete the Shahnama (Book of Kings), an epic of 50,000 couplets which has become a masterpiece of Islamic literature

फिरदौसी (मृत्यु 1020 में) थे, जिन्हें शाहनामा (राजाओं का जीवनचरित) को पूरा करने में 30 वर्ष लग गए; इस पुस्तक में 50,000 पद हैं और यह इस्लामी साहित्य की एक श्रेष्ठ कृति मानी जाती है।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Shahnama is a collection of traditions and Legends

शाहनामा परंपराओं और आख्यानों का संग्रह है

History books were read by scholars and students as well as by the broader literate public

इतिहास की पुस्तकें विद्वानों और विद्यार्थियों द्वारा और इनके अलावा अधिक पढ़-लिखे लोगों द्वारा पढ़ी जाती थीं।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

The tradition of local history writing developed with the break-up of the caliphate. Books were written in Persian about dynasties, cities or regions to explore the unity and variety of the world of Islam

स्थानीय इतिहास-लेखन की परंपरा का विकास खिलाफत के विघटन के बाद हुआ। इस्लामी जगत की एकता और विविधता के अन्वेषण के लिए फ़ारसी में वंशों, नगरों और प्रदेशों के बारे में पुस्तकें लिखी गइं।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

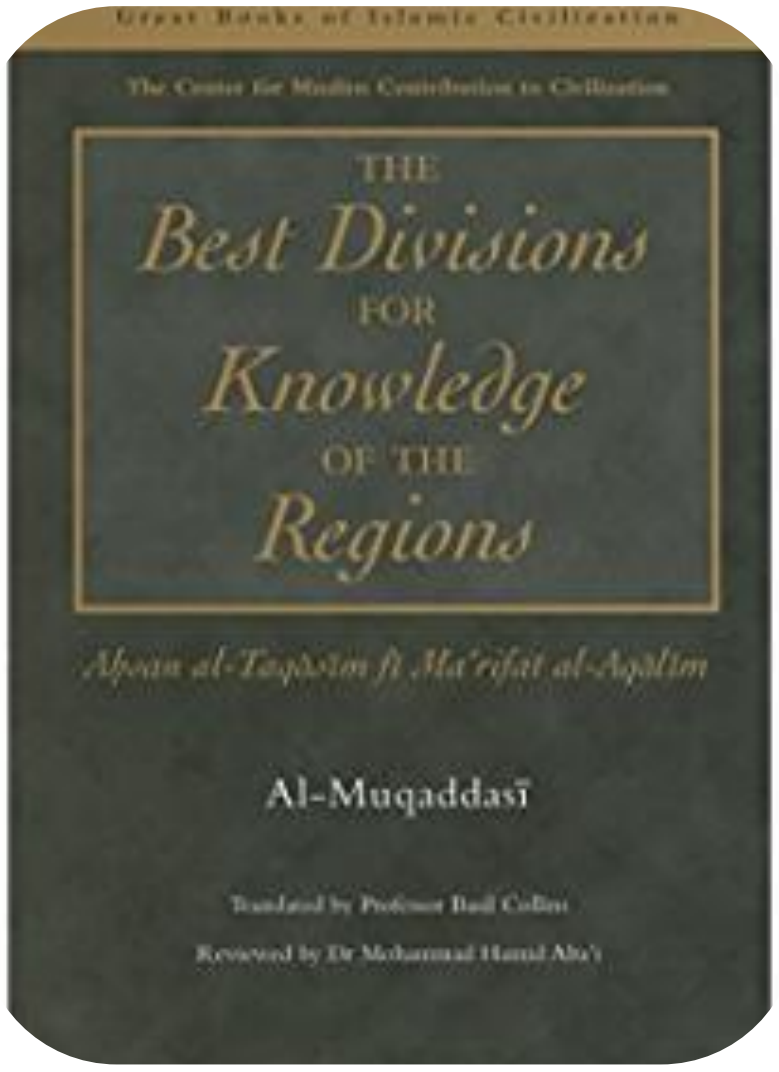

Ahsan al-Taqasim (The Best Divisions) is a comparative study of the countries and peoples of the world and a treasure trove of exotic curiosities

(अहसान अल-तकसीम अथवा सर्वोत्तम विभाजन) विश्व के सभी देशों के लोगों का तुलनात्मक अध्ययन है और विदेशों के बारे में उठी जिज्ञासाओं को शांत करने वाला खज़ाना है।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Islamic world had emerged which was easily recognisable by travellers. Religious buildings were the greatest external symbols of this world. Mosques, shrines and tombs from Spain to Central Asia showed the same basic design – arches, domes, minarets and open courtyards – and expressed the spiritual and practical needs of Muslims

इस्लामी दुनिया उभर आई थी, जिसे यात्री आसानी से पहचान सकते थे। धार्मिक इमारतें इस दुनिया की सबसे बड़ी बाहरी प्रतीक थीं। स्पेन से मध्य एशिया तक फैली हुई मस्जिदें, इबादतगाह और मकबरों का बुनियादी नमूना एक जैसा था –मेहराबें, गुम्बद, मीनार और खुले सहन और ये इमारतें मुसलमानों की आध्यात्मिक और व्यावहारिक ज़रूरतों को अभिव्यक्त करती थीं।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Mosque had an open courtyard (sahn) where a fountain or pond was placed, leading to a vaulted hall which could accommodate long lines of worshippers and the prayer leader

मस्जिद में एक खुला प्राँगण सहन होता था, जहां पर एक फव्वारा अथवा जलाशय बनाया जाता था और यह प्राँगण एक बड़े कमरे की ओर खुलता, जिसमें प्रार्थना करने वाले लोगों की लंबी पंक्तियों और प्रार्थना (नमाज़) का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति के लिए पर्याप्त स्थान होता था।

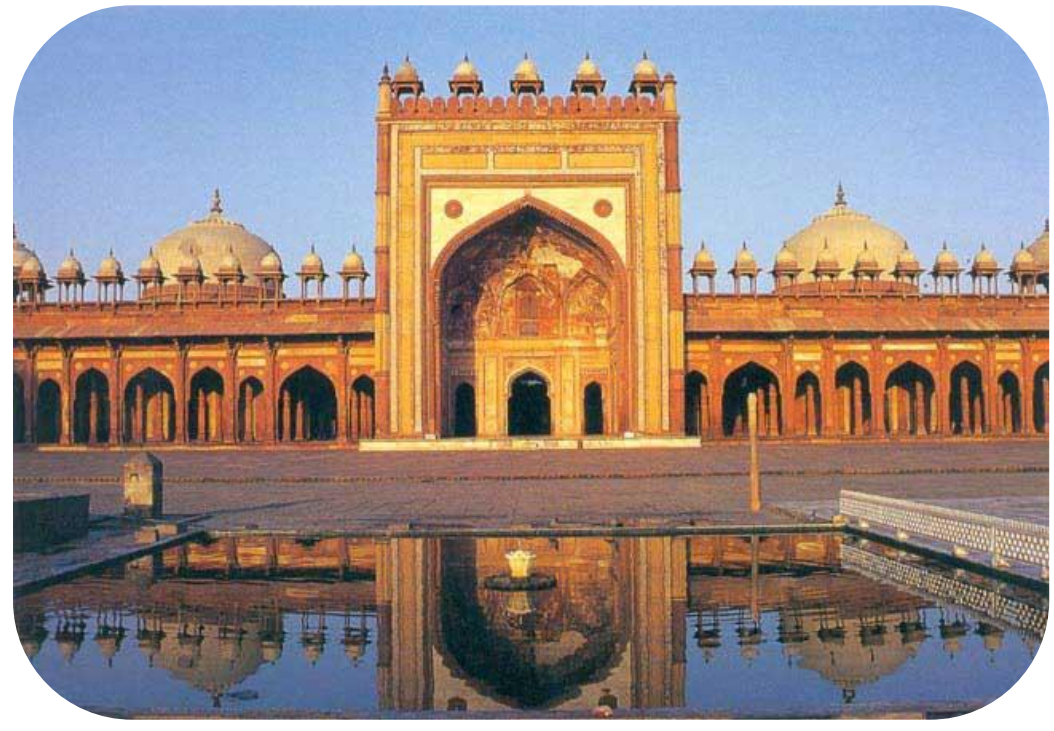

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

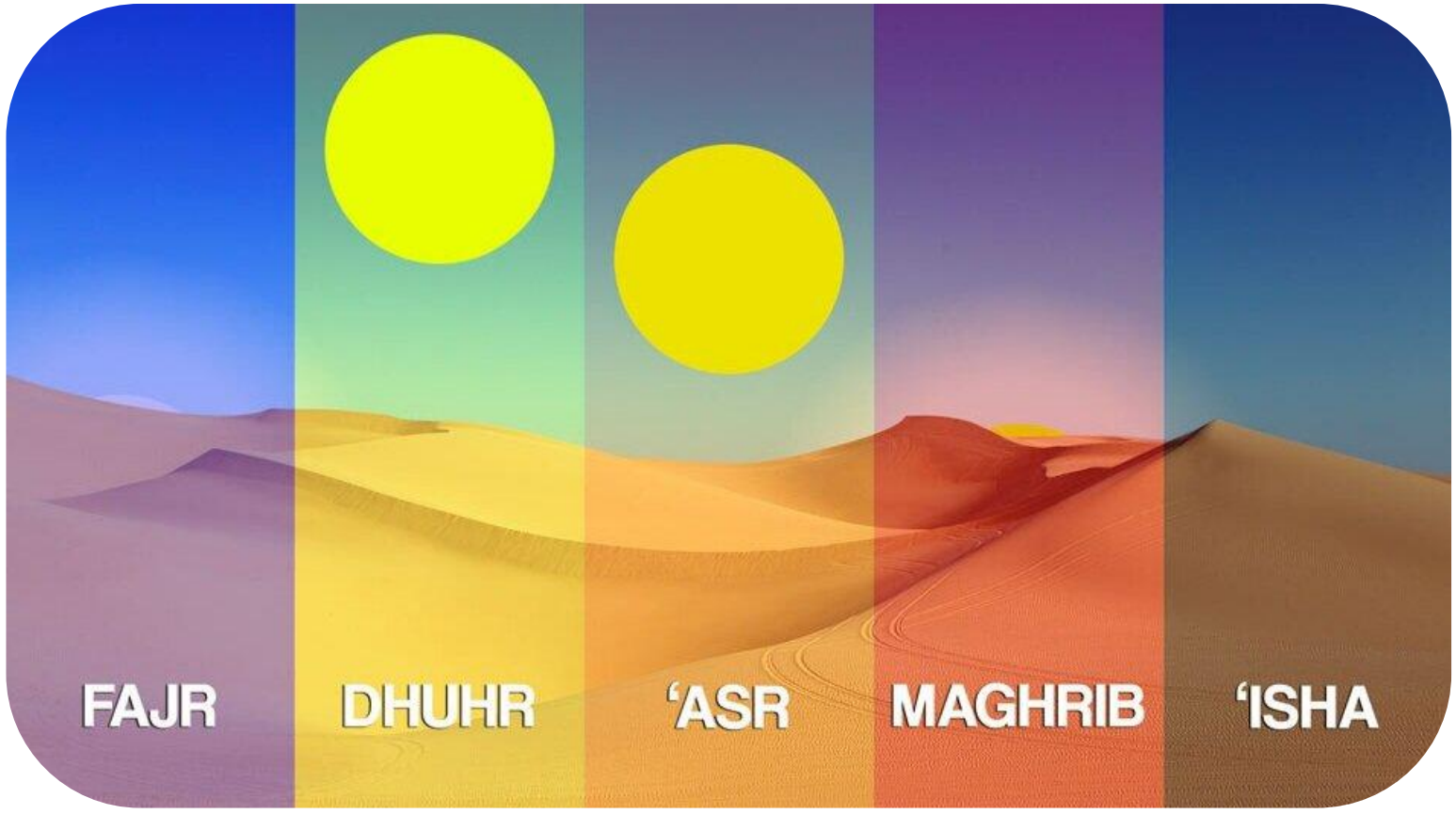

Time was marked in cities and villages by the five daily prayers and weekly sermons

शहरों और गाँवों में लोग समय का अंदाजा पाँच दैनिक प्रार्थनाओं और साप्ताहिक प्रवचनों की सहायता से लगाते थे।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

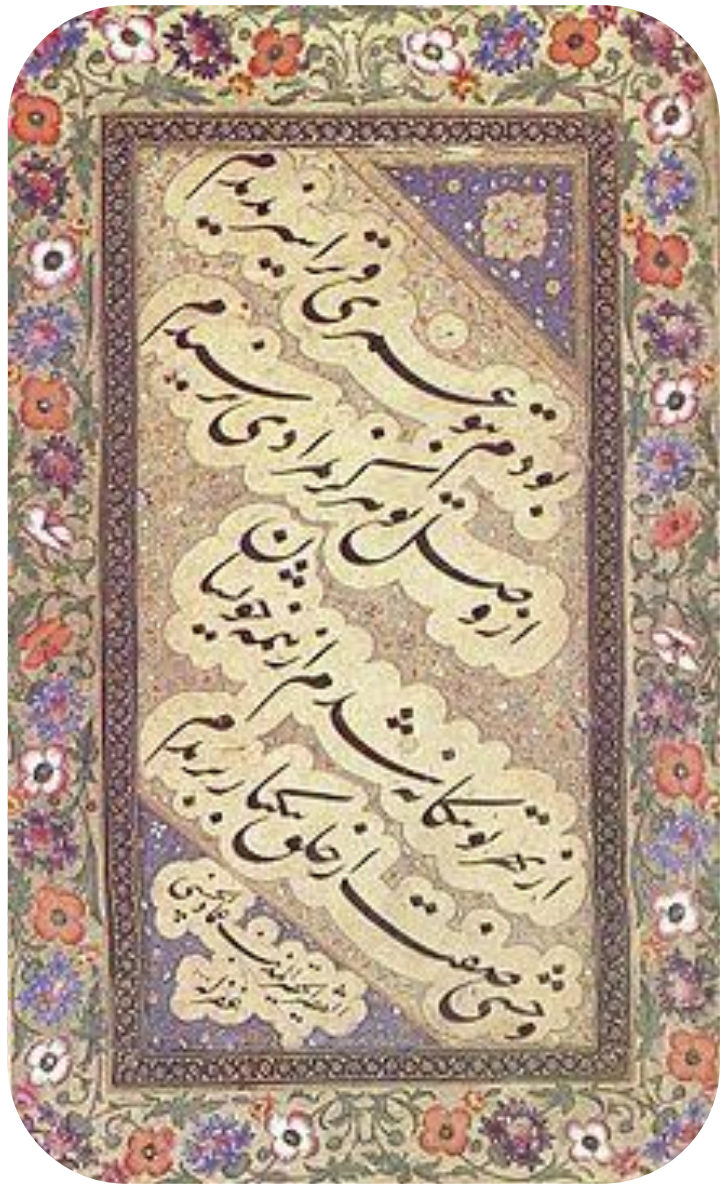

The rejection of representing living beings in the religious art of Islam promoted two art forms: calligraphy (khattati or the art of beautiful writing) and arabesque (geometric and vegetal designs)

इस्लामी धार्मिक कला में प्राणियों के चित्रण की मनाही से कला के दो रूपों को बढ़ावा मिला: खुशनवीसी (खत्ताती अथवा सुन्दर लिखने की कला) और अरबेस्क (ज्यामितीय और वनस्पतीय डिज़ाइन)।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Small and big inscriptions, usually of religious quotations, were used to decorate architecture. Calligraphic art has been best preserved in manuscripts of the Quran dating from the eighth and ninth centuries

इमारतों (वास्तुशिल्प) को सजाने के लिए आमतौर पर धार्मिक उद्धरणों का छोटे और बड़े शिलालेखों में उपयोग किया जाता था। कुरान की आठवीं और नौवीं शताब्दियों की पांडुलिपियों में खुशनवीसी की कला को सर्वोत्तम रूप में सुरक्षित रखा गया है।

THE CENTRAL ISLAMIC LANDS
(इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570–1200 ई.)

Plant and floral designs, based on the idea of the garden, were used in buildings and book illustrations

इमारतों और पुस्तकों के चित्रण में उद्यान की कल्पना पर आधारित पौधों और फूलों के नमूनों का उपयोग किया जाता था।